दैनिक

नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक

क्षितिज किरण

RNI No.61546/95

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-31 अंक-27 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 04 मार्च 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

दृष्टिहीन भी बन सकेंगे जज

>>> मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियमों को किया खारिज

नई दिल्ली,(ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि दृष्टिहीन (नेत्रहीन) लोग भी न्यायिक सेवाओं में नियुक्त हो सकते हैं। अदालत ने साफ किया कि दिव्यांगता के आधार पर किसी भी व्यक्ति को न्यायिक सेवाओं से वंचित नहीं किया जा सकता।सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियमों को खारिज कर दिया, जो दृष्टिहीन उम्मीदवारों को जज बनने से रोकते थे। इस फैसले के बाद अब दृष्टिहीन उम्मीदवार भी न्यायिक सेवाओं के लिए चयन प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे।

क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने ?

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की डबल बेंच ने यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा, कि किसी भी व्यक्ति को उसकी दिव्यांगता के आधार पर न्यायिक सेवा से वंचित नहीं किया जा सकता। दृष्टिहीन लोगों को भी समान अवसर मिलना चाहिए, ताकि वे अपने अधिकारों का उपयोग कर सकें। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मध्य प्रदेश के न्यायिक सेवा नियमों में भेदभावपूर्ण भाषा का इस्तेमाल किया गया था, जिससे दृष्टिहीन उम्मीदवारों को बाहर रखा जाता था।

कैसे शुरू हुआ मामला ?

इस फैसले की शुरुआत मध्य प्रदेश की एक महिला की याचिका से हुई थी, जिसका दृष्टिहीन बेटा न्यायिक सेवा में जाना चाहता था। जब उसे चयन प्रक्रिया में भाग लेने से रोका गया, तो उसकी मां ने सुप्रीम कोर्ट को पत्र लिखा। अदालत ने इसे गंभीरता से लेते हुए स्वत- संज्ञान लेकर मामला सुना और यह ऐतिहासिक निर्णय सुनाया। यह फैसला दृष्टिहीन और अन्य दिव्यांग व्यक्तियों के लिए एक बड़ी जीत है। यह न्यायिक सेवाओं में समावेशन को बढ़ावा देगा। दिव्यांग व्यक्तियों को बराबरी का अवसर मिलेगा और भेदभाव खत्म होगा।

सुप्रीम कोर्ट के इस ऐतिहासिक फैसले से दृष्टिहीन उम्मीदवारों के लिए न्यायिक सेवाओं में एक नया रास्ता खुल गया है। अब वे भी जज बनने के अपने सपने को साकार कर सकते हैं।

महाराष्ट्र में केंद्रीय मंत्री की बेटी सुरक्षित नहीं, तो आम लोगों की सुरक्षा की बात कैसे की जा सकती है : अनिल देशमुख

नागपुर (आरएनएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने सोमवार को कहा कि राज्य में केंद्रीय मंत्री की बेटी सुरक्षित नहीं है तो आम लोगों की सुरक्षा की बात कैसे की जा सकती है। अनिल देशमुख ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है। केंद्रीय मंत्री की बेटी के साथ छेड़छाड़ होती है। छेड़छाड़ होने के बाद शिकायत की जाती है, फिर भी कार्रवाई नहीं होती। जब कार्रवाई नहीं हुई तो खुद केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे बेटी के साथ थाने गईं। उन्होंने वहां जाकर पूछा कि शिकायत करने के बाद कार्रवाई क्यों नहीं की गई ? यह हालत केंद्रीय मंत्री की है तो आम लोगों की क्या हालत होगी। यह बहुत बड़ा सवाल आज महाराष्ट्र की जनता के सामने है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नई दिल्ली में बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मुलाकात की.

अयोध्या में राम मंदिर पर आतंकी हमले की साजिश...

- फरीदाबाद से हैंड ग्रेनेड के साथ संदिग्ध गिरफ्तार, आईएसआई से ली थी ट्रेनिंग

नई दिल्ली (ए.)। गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड और फरीदाबाद स्पेशल टास्क फोर्स ने संयुक्त ऑपरेशन में आतंकी कनेक्शन के संदेह में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अब्दुल रहमान (19) पुत्र अबूबकर के रूप में हुई है। वह उत्तर प्रदेश के फैजाबाद (अयोध्या) का निवासी है। संदिग्ध को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया गया, जहां वह आतंकी साजिश को अंजाम देने की तैयारी में था। उसके पास से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए गए, जिन्हें सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत निष्क्रिय करा दिया।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार संदिग्ध अब्दुल रहमान पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में था और उसे अयोध्या के राम मंदिर पर आतंकी हमले के लिए तैयार किया गया था। जांच में खुलासा हुआ है कि रहमान कई कट्टरपंथी जमातों से जुड़ा हुआ था और फैजाबाद में एक मटन शॉप चलाता था। सुरक्षा एजेंसियों को मिली जानकारी के अनुसार, राममंदिर निर्माण के बाद पाकिस्तान आईएसआई ने भारत में बड़ी आतंकी साजिश रचने की योजना बनाई थी, जिसमें अयोध्या स्थित राम मंदिर को निशाना बनाने का प्लान था।

राम मंदिर की रेकी और हमले की साजिश

जांच में यह भी सामने आया है कि अब्दुल रहमान पहले भी कई बार अयोध्या के राम मंदिर की रेकी कर चुका था और उसने वहां की सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी आईएसआई को साझा की थी। आतंकियों का मकसद राम मंदिर पर हैंड ग्रेनेड से हमला कर बड़े पैमाने पर तबाही मचाना था। इस ऑपरेशन को अंजाम देने में गुजरात एटीएस की भूमिका बेहद अहम रही। एटीएस को इनपुट मिला था कि एक संदिग्ध आतंकी भारत में सक्रिय है, जो आतंकी संगठन के निर्देश पर किसी बड़े हमले की तैयारी में जुटा हुआ है।

तू है कौन.. चुप हो जा; तू गुंडा है... बैठ जा, दिल्ली विधानसभा में बीजेपी और आप विधायक हुए आमने सामने

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही सदन में भाजपा विधायक कुलवंत सिंह राणा और आम आदमी पार्टी के विधायक आपस में भिड़ गए। दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि स्पीकर विजेंद्र गुप्ता को अपनी कुर्सी से उठकर दोनों पक्षों को शांत कराना पड़ा। सदन के अंदर भाषा की मर्यादा भी टूटती दिखी। कुलवंत सिंह ने कहा कि तू है कौनज चुप हो जा.. कल का आया बच्चा मुझे सिखाएगा। स्पीकर के बार-बार अनुरोध करने के बाद मामला शांत हुआ। दरअसल, सत्र की शुरुआत में रिठाला विधायक कुलवंत सिंह राणा खड़े हुए। कुलवंत सिंह के वक्तव्य के बीच में आम आदमी पार्टी की तरफ से किसी ने टिप्पणी की। कुलवंत सिंह ने नाराज होकर कहा कि हूं मत करनाज हां ये हूं नहीं चलेगा।

जनजातियों की संस्कृति के संरक्षण और पूजा व त्यौहार आदि की विशेष व्यवस्था के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

जनजातीय समुदायों की संस्कृति और पूजा पद्धतियों के संरक्षण के लिए जनजातीय देवलोक करेंगे विकसित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

चार मार्च को मुख्यमंत्री निवास में होगा जनजातीय देवलोक महोत्सव

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनजातियों की संस्कृति के संरक्षण और उनके त्यौहार तथा पूजा आदि की विशेष व्यवस्था के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। पश्चिमी मध्यप्रदेश में शीघ्र ही भगोरिया की शुरूआत हो रही है। मुख्यमंत्री निवास में भी मंगलवार 4 मार्च को जनजातीय देवलोक महोत्सव आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदायों की संस्कृति, पूजा पद्धतियों के संरक्षण के लिए प्रदेश में जनजातीय देवलोक विकसित किया जाएगा। जनजातीय समाज और उनकी परम्पराएं भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। इन परम्पराओं और उपासना पद्धतियों को जीवंत बनाए रखने तथा वर्तमान और आगामी पीडियों को इनसे अवगत कराने के लिए शासकीय योजनाओं का लाभ लेते हुए, कार्य योजना का क्रियान्वयन आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में जनजातीय देवलोक स्थापना के लिए मंत्रालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह, मुख्य सचिव अनुराग जैन तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 7 प्रमुख जनजातियां और इनकी उपजातियों सहित 43 जनजातीय समुदाय निवास करते हैं। जनजातियों ने प्रकृति, प्रतीक और प्रतिमा में अपने देवधारणाओं को स्थापित किया है और इनके माध्यम से वे अपनी आस्था और धारणाओं का प्रकटीकरण करते हैं। प्रदेश के अलग-अलग भौगालिक क्षेत्रों में निवासरत जनजातीय समुदायों के देवी-देवता और उनके प्रतीक भिन्न-भिन्न हैं। अत: राज्य के जनजातीय समुदायों की मान्यताओं, आस्था, प्रतीकों के देवलोक को एक स्थान पर लाने के लिए प्रयास करना आवश्यक है। इन प्रयासों में जनजातीय समुदायों के ओझा, पटेल, पुजारा, तडवी, भुमका, पंडा, गुनिया आदि के विचारों को भी समाहित किया जाए।

चमोली में फिर हिमस्खलन का अलर्ट, IMD ने जारी की चेतावनी

चमोली (ए.)। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के अनुसार चमोली जिले में अगले तीन दिनों तक हिमस्खलन और बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस चेतावनी को देखते हुए चमोली के जिलाधिकारी ने जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, स्थानीय निवासियों और पर्यटकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।जिला प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल औली से पर्यटकों को हटाकर जोशीमठ और आसपास के सुरक्षित स्थानों पर ठहराया है। प्रशासन ने बताया कि सोमवार को औली में पर्यटकों की आवाजाही पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगी। रविवार को औली पहुंचे पर्यटकों को हिमस्खलन के खतरे से अवगत कराते हुए ज्योतिर्मठ सहित बर्फ-मुक्त निचले क्षेत्रों में रहने के लिए कहा गया।जिला प्रशासन ने औली में मौजूद सभी होटल व्यवसायियों को भी पर्यटकों को ज्योतिर्मठ में शिफ्ट करने के लिए निर्देशित किया है। हालांकि, पर्यटकों ने चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए औली घूमने के बाद खुद ही वापस लौटना शुरू कर दिया है।जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार रहने का आदेश दिया है। बर्फीले इलाकों में बर्फबारी होने की स्थिति में, सड़क से संबंधित विभागों को तत्काल यातायात सुचारू रूप से बहाल करने के निर्देश दिए गए हैं। आपदा प्रबंधन अधिकारियों को बर्फबारी के दौरान सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है।

आकाश आनंद पर मायावती का एक्शनः बसपा से निष्कासित किया ,कहा- वे अपने ससुर के प्रभाव में काम कर रहे थे

लखनऊ (आरएनएस)। बसपा मुखिया मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद के खिलाफ एक और बड़ा एक्शन लिया है. सभी पदों से हटाने के बाद अब पार्टी से भी बाहर का रास्ता दिखा दिया है. इस एक्शन को लेकर बसपा मुखिया का कहना है कि बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के आंदोलन के हित में और कांशीराम जी की अनुशासन परंपरा का पालन करते हुए आकाश आनंद को उनके ससुर की तरह पार्टी और आंदोलन के हित में पार्टी से निष्कासित किया जाता है.मायावती ने कहा बीएसपी की आल-इण्डिया की बैठक में कल आकाश आनन्द को पार्टी हित से अधिक पार्टी से निष्कासित अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के प्रभाव में लगातार बने रहने के कारण नेशनल कोआर्डिनेटर सहित सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया था, जिसका उसे पश्चताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी।लेकिन इसके विपरीत आकाश ने जो अपनी लम्बी-चौड़ी प्रतिक्रिया दी है वह उसके पछतावे व राजनीतिक मैच्युरिटी का नहीं बल्कि उसके ससुर के ही प्रभाव वाला ज्यादातर स्वार्थी, अहंकारी व गैर-मिशनरी है,

कुबेरेश्वर धाम में 3 श्रद्धालुओं की मौत

3 दिन में MP, गुजरात और UP के भक्तों ने तोड़ा दम,

सीहोर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के कुबरेश्वर धाम में आज सोमवार प्रदीप मिश्रा की कथा के दौरान एक श्रद्धालु की मौत हो गई। मृतक महिला गुजरात की रहने वाली थी। तीन दिनों के भीतर यह तीसरी घटना है। इससे पहले मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के श्रद्धालु दम तोड़ चुके हैं। बता दें कि आज कथा का अंतिम दिन है। जिसकी वजह से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है।

अचेत हालत में मिली थी महिला

दअसल, आज सोमवार सुबह गुजरात निवासी एक महिला अचेत हालत में मिली, जिसे जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महिला का नाम 55 वर्षीय मंजू बताया जा रहा है। हालांकि मृतिका यहां किसके साथ आई थी, इस बात की जानकारी नहीं लग सकी है। उसका कोई परिचित भी नहीं मिला है। सुबह 6 बजे अस्पताल प्रबंधन ने इसकी सूचना कोतवाली थाना पुलिस को दी।

3 दिन के भीतर तीसरी मौत

बता दें कि इससे पहले शनिवार और रविवार को भी दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि कथा सुनने के दौरान कल (शनिवार) अचानक भीड़ बढ़ गई। इस दौरान जबलपुर निवासी 25 वर्षीय गोलू कोष्टा को गर्मी की वजह से चक्कर आ गया और वह जमीन पद गिर पड़ा। इसके बाद वह नहीं उठा।

कानपुर निवासी की भी हुई थी मौत

वहीं शुक्रवार को कानपुर निवासी वीरेंद्र की देर रात मौत हो गई थी। मृतक विजेंद्र स्वरूप, तीन महिला (संध्या, मीना, मनु), वाहन चालक (अनुराग) और एक बच्चे के साथ शिव पुराण कथा सुनने सीहोर आया था। वे ग्राम गुड़भेला में ठहरे हुए थे। अचानक उसकी हालत खराब हो गई और उसने दम तोड़ दिया।

कलेक्टर ने दिए थे व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश

आयोजन स्थल पर जिला प्रशासन ने व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। दावा था कि आयोजन स्थल पर पर्याप्त चिकित्सा और एम्बुलेंस की व्यवस्था है। कलेक्टर ने सीएमएचओं को चिकित्सा व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने और आयोजन स्थल पर स्टाफ के साथ एम्बुलेंस और जीवन रक्षक दवाओं की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे।

बिहार विधानसभा में वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने 3.17 लाख करोड़ का बजट पेश किया, कई घोषणाएं भी की

पटना ,(आरएनएस)। बिहार के उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को विधानसभा में अगले वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया। बजट पेश करने से पहले सम्राट चौधरी ने अपने आवास में पूजा-अर्चना की, जबकि बजट पेश करने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनकी पीठ थपथपाकर शाबाशी और बधाई दी।बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि बिहार लगातार विकास के पथ पर अग्रसर है। इस बजट का आकार 3 लाख 17 हजार करोड़ होगा। बजट का आकार 3 लाख 16 हजार 895 करोड़ रुपए है, जो पिछले वित्तीय वर्ष के बजट आकार से करीब 38,169 करोड़ रुपए ज्यादा है।

बजट भाषण में उप मुख्यमंत्री ने बताया कि अगले वित्तीय वर्ष में 2.60 लाख राजस्व प्राप्ति का लक्ष्य है। 2025-26 में 32,718 करोड़ रुपए राजकोषीय घाटा रहने का अनुमान है। शिक्षा विभाग को 60,964 करोड़, स्वास्थ्य विभाग को 20,335 करोड़, गृह विभाग को 17,831 करोड़, ग्रामीण विकास को 16,093 करोड़ और ऊर्जा विभाग को 13,484 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। बिहार सरकार ने स्कॉलरशिप की राशि एक हजार से बढ़ाकर दो हजार रुपए प्रति माह कर दी है। नीतीश सरकार ने महिलाओं के लिए कई घोषणाएं की हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि राज्य के प्रमुख शहरों में पिंक बस सेवा शुरू की जाएगी। इसमें यात्री, चालक और कंडक्टर भी महिलाएं होंगी। राज्य के प्रमुख शहरों में महिला वाहन प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की जाएगी। इसमें प्रशिक्षक भी महिलाएं ही होंगी। महिलाओं के लिए पटना में चलंत व्यायामशाला शुरू की जाएगी।

देर रात हाईवे पर हो रही थी अवैध शराब की तस्करी, नन्ही बेटी को साथ लिये कार्रवाई करने पहुंच गई महिला पुलिस अफसर

हरदा(आरएनएस)। के हरदा जिले के टिमरनी हाइवे पर पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस ने डाक पार्सल लिखे गाड़ी से तस्करी की जा रही अवैध शराब पकड़ी. अनुमान के मुताबिक, जब्त की गई शराब की कीमत 23 लाख रुपये से ज्यादा है. बताया जा रहा है कि यह हरदा जिले की अबतक की सबसे बड़ी कार्रवाई है, जिसमें इतनी बड़ी मात्रा में अवैध शराब जब्त की गई है. दरअसल, हरदा पुलिस ने इंदौर-बैतूल हाईवे पर पेट्रोलिंग के दौरान एक आईसर ट्रक को रोका, जिसमें 361 बॉक्स में 4332 बोतल शराब थी.

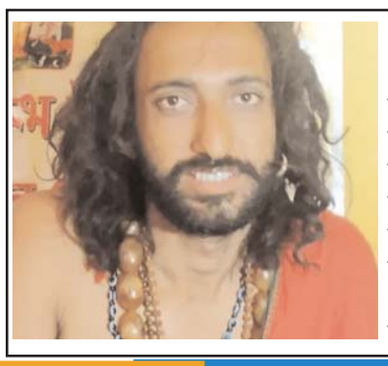

आईआईटी बाबा ने सुसाइड की दी धमकी, मौके पर पुलिस पहुंची तो उड़े होश

नई दिल्ली (आरएनएस)। आईआईटी बाबा के नाम से मशहूर अभय सिंह के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार उनके पास से गांजा बरामद किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आईआईटी बाबा सुसाइड की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन जब टीम मौके पर पहुंची तो उन्होंने कहा कि मुझे कुछ याद नहीं है क्योंकि गांजा पी लिया था। इस मामले में जयपुर पुलिस ने उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। हालांकि, गांजा की मात्रा कम होने के चलते आईआईटी बाबा को गिरफ्तार नहीं किया गया है।इस मामले को लेकर डीसीपी साउथ ने बताया कि पुलिस थाना शिप्रापथ जयपुर दक्षिण को पुलिस कंट्रोल से सूचना मिली थी कि एक होटल में अभय सिंह नाम का व्यक्ति सुसाइड करने की कोशिश कर रहा है। इस पर थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा टीम के साथ मौके पर पहुंचे तो होटल में अभय सिंह मिले। उन्होंने गांजे की एक पुड़िया निकालकर बताया कि मैंने गांजा का नशा किया था। नशे में मैंने कोई सूचना दी हो तो इस बारे में मुझे कुछ याद नहीं है। इस पर पुलिस ने गांजा जब्त किया है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त होना बड़ी उपलब्धि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-अगले सप्ताह रखी जाएगी 850 करोड़ रूपए के निवेश से नीमच सौर परियोजना की आधारशिला

-प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार का कारवां निरंतर जारी रहेगा

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल में पहली बार हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का सफल आयोजन बेहतर टीमवर्क और समन्वय से संभव हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ ही बड़ी संख्या में विदेशी राजनायिकों, वाणिज्यिक प्रतिनिधियों और देश के प्रमुख औद्योगिक समूह के प्रतिनिधियों के एक साथ आगमन और जीआईएस में सहभागिता का प्रबंध चुनौती पूर्ण था। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट सुप्रबंधन का पर्याय बनी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जीआईएस के सफल आयोजन के लिए सभी विभागों के अधिकारियों और टीम को बधाई दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार का यह कारवां निरंतर जारी रहेगा।

प्रदेश में उद्योगों के लिए विद्यमान बेहतर अधोसंरचना और निवेश वातावरण के परिणामस्वरूप उद्योग समूह त्वरित रूप से अपनी गतिविधियों का विस्तार कर रहे हैं। अगले सप्ताह 850 करोड़ रूपए के निवेश से स्थापित होने वाली नीमच सौर परियोजना की आधारशिला रखी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में प्राप्त निवेश प्रस्तावों के क्रियान्वयन के लिए मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव तथा प्रमुख सचिव उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समिट में कुल 30 लाख 77 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे लगभग 21 लाख 40 हजार रोजगार के अवसर सृजित होंगे। जीआईएस में 25 हजार से अधिक लोगों ने भागीदारी की। इसमें 9 पार्टनर कंट्री और 60 से अधिक देशों से 100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय डेलिगेट शामिल हुए। जीआईएस में 300 से अधिक प्रमुख उद्योगपतियों और उद्योगों की भागीदारी रही। जीआईएस में 10 सेक्टरल सत्र, 6 कंट्री सेशंस, 6 समिट, 70 से अधिक वन-टू-वन बैठकें, 5 हजार से अधिक बी-टू-बी मीटिंग और 600 से अधिक बी-टू-जी मीटिंग्स संपन्न हुईं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में 18 नई निवेश नीतियां लांच की गई और 89 एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। यह प्रदेश में अब तक हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में सबसे अधिक भागीदारी थी। जीआईएस की पूर्व तैयारी के लिए देश-विदेश में इंटरेक्टिव सत्र किए गए। ऑटो-एक्सपो, टेक्सटाइल एक्सपो, ऑक्सफोर्ड, वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट एग्जीबिशन के साथ ही एमपी पवेलियन और डिजिटल एक्सपीरियंस जोन, जीआईएस में आकर्षण का विशेष केंद्र रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि विभिन्न सेक्टरों में बड़ी संख्या में निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा में 8 लाख 94 हजार 301 करोड़ निवेश के 441 प्रस्ताव, इंफ्रास्ट्रक्चर में 3 लाख 37 हजार 329 करोड़ रूपए निवेश के 870 प्रस्ताव, खनन और खनिज क्षेत्र में 3 लाख 25 हजार 321 करोड़ रूपए के 378 निवेश के प्रस्ताव, रक्षा-विमानन और एयरोस्पेस में 3 लाख 01 हजार 681 करोड़ के 8 प्रस्ताव और पेट्रोकेमिकल्स-रसायन-प्लास्टिक व संबद्ध क्षेत्र में 1 लाख 4 हजार 158 करोड़ रूपए निवेश के 237 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

बीटेक की छात्रा के साथ दुष्कर्म

भोपाल (आरएनएस)। अयोध्या नगर इलाके में बीटेक चौथे वर्ष की छात्रा के साथ दुष्कर्म और मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपी छात्रा का सीनियर है, जिसने पहले उसे असाइनमेंट में मदद का भरोसा दिलाया और फिर उसके साथ गलत काम किया। थाना प्रभारी महेश लिल्हारे ने बताया कि, आरोपी ने छात्रा को प्रेम जाल में फंसाकर उसके साथ एक किराये के कमरे में रहना शुरू किया। हालांकि, कुछ समय बाद उसका असली चेहरा सामने आ गया। उसने न केवल छात्रा के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी, बल्कि उसकी पॉकेट मनी भी छीनने लगा। छात्रा ने आरोपी को कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। अंततः छात्रा ने शनिवार को थाने पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना बताई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी बिहार का रहने वाला बताया जा रहा है। वह फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

कमिश्नरेट ने पहली बार दी ऐसी सजा, ड्यूटी से गायब हुई एसीपी तो छिन गई बड़ी जिम्मेदारी

भोपाल(आरएनएस)। राजधानी भोपाल में स्थित कमिश्नरेट में पहली पर किसी आला पुलिस अफसर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। दरअसल, महाशिवरात्रि के दिन एसीपी अनीता प्रभा शर्मा को शहर से गुजरने वाली शोभा यात्राओं के लिए तैनात किया गया था, लेकिन एसीपी ड्यूटी पर तैनात नहीं हुईं, जिसके चलते उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। एसीपी के ड्यूटी से गैरहाजिर होने के चलते उनसे दो थानों का प्रभार वापस ले लिया गया है। बता दें कि, ये कार्रवाई डीसीपी जोन-3 रियाज इकबाल द्वारा की गई है।बताया जा रहा है कि महाशिवरात्रि के दिन शहर के संवेदनशील इलाकों से शोभा यात्रा निकाली जा रही थी। जिस संवेदनशील इलाके से शोभा यात्रा निकाली जा रही थी, वहां सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जानी थी। इसी सतर्कता के मद्देनजर एसीपी अनीता प्रभा शर्मा ड्यूटी सुरक्षा व्यवस्था संभालने के लिए मौके पर तैनात किया गया था, लेकिन किन्हीं कारणों के चलते एसीपी शर्मा उस दिन ड्यूटी से गैरहाजिर थी। ऐसे में ये जानकारी जैसे ही विभाग के आला अधिकारियों को लगी तो एसीपी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के तहत डीसीपी जोन-3 रियाज इकबाल ने एसीपी अनीता प्रभा शर्मा से शहर के कोतवाली और तलैया थाने का प्रभार वापस ले लिया है। ऐसे में अब एसीपी शर्मा के पास सिर्फ श्यामला हिल्स थाने का प्रभार रह गया है। बता दें कि, कमिश्नरेट के दौरान इस तरह की सजा किसी अधिकारी को पहली बार दी गई है। यानी ऐसा पहली बार है, जब किसी अफसर से थाने का प्रभार ही वापस लिया गया हो। बता दें कि, एसीपी अनीता प्रभा शर्मा के पास शहर के कोतवाली थाना, तलैया थाना और श्यामला हिल्स थाने की जिम्मेदारी थी। लेकिन अब उनके पास सिर्फ एक थाने का प्रभार रह गया है। वहीं, दूसरी तरफ कोतवाली थाने का प्रभार शाहजहानाबाद एसीपी निहित उपाध्याय को दिया गया है, जबकि तलैया थाने का प्रभार हनुमानगंज एसीपी राकेश बघेल को दिया गया है।

निगम अमले ने 101 प्रकरणों में 12 हजार रुपये का स्पॉट फाईन वसूला

भोपाल (आरएनएस)। नगर निगम द्वारा शहर की स्वच्छता व वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम के दलों ने 101 प्रकरणों में 12 हजार रूपये स्पॉट फाईन के रूप में वसूल किए। निगम प्रशासन ने भवन निर्माताओं से अपील की है कि वह भवन निर्माण के समय ग्रीन नेट का पूरी तरह उपयोग करें और शहर के वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु सहयोग करें अन्यथा निगम प्रशासन द्वारा निरंतर सख्त कार्यवाही की जायेगी। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देष पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने रविवार को जोन क्षेत्रों में सीएंडडी वेस्ट व भवन निर्माण सामग्री सड़कों, सार्वजनिक स्थलों पर फैलाने वालों तथा निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाने वालों के विरूद्ध अभियान के तहत कार्यवाही की। निगम अमले ने सड़कों पर कचरा, गंदगी फैलाने, दो डस्टबिन न रखने, कचरा पृथक-पृथक न रखने, खुले स्थानों पर मूत्र विसर्जित करने, प्रतिबंधित पालीथीन का उपयोग करने एवं सम्पत्ति विरूपण करने सहित अन्य प्रकार से साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने व शहर की सुंदरता को बिगाडने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की और सभी प्रकार के प्रकरणों में स्पॉट फाईन/जुर्माने की राषि वसूल की।

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

भोपाल(आरएनएस)। तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में एक नए मानक की स्थापना करते हुए संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (एसएसआरजीएसपी) ने अप्रैल 2025 सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी। यह संस्थान तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं को नवीनतम उद्योग आधारित प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के लिए तैयार कर रहा है। तकनीक की दुनिया लगातार बदल रही है। इसी बदलाव के अनुरूप एसएसआरजीएस पीने उन्नत पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। यहां ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रिकल टेक्नोलॉजी (पॉवर एंड कंट्रोल), एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन, नेटवर्किंग और सिस्टम्स एडमिनिस्ट्रेशन, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल सर्विसेज, इलेक्ट्रॉनिक्स (मोबाइल डिवाइसेज और आईओटी इंटीग्रेशन), मेकाट्रॉनिक्स, मैकेनिकल टेक्नोलॉजी और प्रिसिजन इंजीनियरिंग जैसे आधुनिक कोर्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

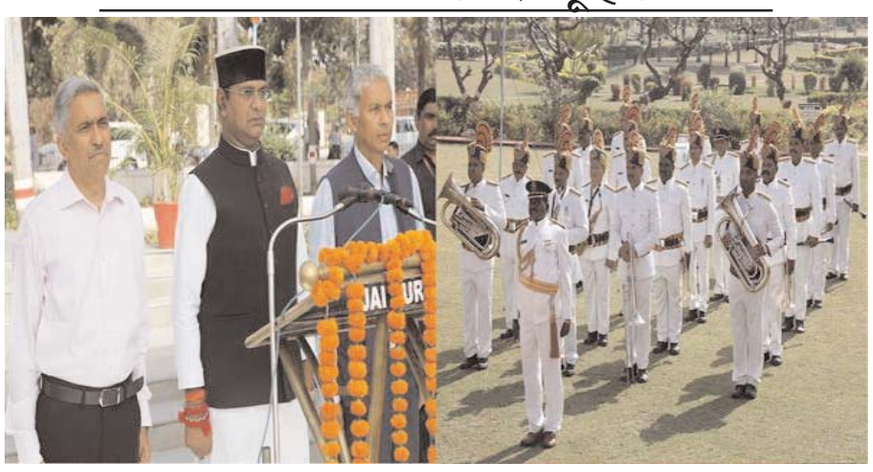

मंत्रालय में हुआ राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन

भोपाल (आरएनएस)। मार्च माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत वंदे-मातरम एवं राष्ट्र-गान जन-गण-मन का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। वंदे-मातरम गायन में खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता, मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, संजय दुबे, सचिव अनिल सुचारी सहित सतपुड़ा-विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बीमारी से परेशान एमबीए छात्रा फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल (ए)। कोलार थाना इलाके में एक एमबीए छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हादसे मे समय छात्रा घर पर अकेली थी। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, जिसके कारण फिलहाल खुदकुशी का सही कारण साफ नहीं हो सका है। हालांकि शुरुआती जॉच में छात्रा के मानसिक बीमारी से पीड़ित होने के कारण डिप्रेशन में रहने की बात सामने आई है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार स्वागत ड्रीमलैंड कॉलोनी में रहने वाले वाले उत्तम शुक्ला खुद का व्यवसाय करते हैं, उनकी पत्नी घरेलू महिला हैं। उनके दो बच्चों में एक बेटा और एक बेटी है। बेटी वैष्णवी शुक्ला (22) एक निजी कॉलेज से एमबीए की पढ़ाई कर रही थी।

नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन के अंतर्गत मध्यप्रदेश के प्रस्ताव को स्वीकृति

1.23 करोड़ की मंजूरी, महिला उद्यमिता मंच बनेगा

भोपाल(आरएनएस)। आयुक्त, आर्थिक सांख्यिकी ऋषि गर्ग ने बताया कि भारत सरकार ने नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन अंतर्गत मध्यप्रदेश सरकार के प्रस्ताव को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए रुपये 1.23 करोड़ रूपए की मंजूरी दे दी है। यह स्वीकृति राज्य में उद्यमिता, डेटा-संचालित शासन, आर्थिक वृद्धि, जलवायु अनुकूलन और प्रभाव मूल्यांकन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग और नीति आयोग के बीच विस्तृत विचार-विमर्श और सहयोग के बाद लिया गया। इससे राज्य के विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत @2047 के सपने को साकार करने की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हुई है। आयुक्त श्री गर्ग ने बताया कि इस स्वीकृति के 3 प्रमुख स्तंभ हैं, जिनमें महिला उद्यमिता मंच (डब्ल्यूईपी-एमपी) नीति सुधारों, रणनीतिक साझेदारियों और एक समर्पित डिजिटल प्लेटफार्म को बढ़ावा देकर महिला नेतृत्व वाले उद्यम विकास में तेजी आयेगी। मध्यप्रदेश राज्य डेटा एनालिसिस प्लेटफ़ॉर्म (एसडीएपी) को नीति आयोग के राष्ट्रीय डेटा एनालिटिक्स प्लेटफ़ॉर्म (एनडीएपी) के सहयोग से विकसित किया जायेगा। यह पहल साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण का समर्थन करने, कार्यक्रम अनुश्रवण में सुधार करने और संसाधनों के बेहतर आवंटन को सुनिश्चित करने के लिए बहु-क्षेत्रीय डेटासेट को एकीकृत करेगी।

मध्यप्रदेश और जम्मू कश्मीर राज्य निर्वाचन आयोग के बीच हुआ एमओयू

राज्य निर्वाचन आयुक्तों की नेशनल कांफ्रेंस में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने दिया प्रेजेंटेशन

भोपाल (आरएनएस)। राज्य निर्वाचन आयुक्तों की 31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस के तीसरे दिन मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग और जम्मू एवं कश्मीर राज्य निर्वाचन आयोग के बीच एमओयू किया गया। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में होने वाले नगरीय निकाय निर्वाचन की प्रक्रिया को सशक्त करने में मदद करेगा। नेशनल कांफ्रेंस में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने प्रेजेंटेशन दिया। एमओयू के तहत मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग जम्मू और कश्मीर में होने वाले आगामी नगरीय निकाय चुनाव में 7 हजार ईवीएम और अन्य उपकरण उपलब्ध कराने के साथ ही पोलिंग स्टाफ को ट्रेनिंग भी दिलाएगा। इसके साथ ही मध्यप्रदेश में किए गए नवाचारों को जम्मू और कश्मीर में लागू करवाने के लिए प्रयास करेगा। साथ ही पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित बूथों पर पेपर लेस बूथ की प्रक्रिया अपनाने में मदद करेगा। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव की उपस्थिति में

एमओयू में सचिव मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग अभिषेक सिंह और सचिव जम्मू एवं कश्मीर राज्य निर्वाचन आयोग सुशील कुमार ने हस्ताक्षर किए। सचिव सुशील कुमार ने मध्यप्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त को इस एमओयू के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि अब हमारे राज्य में सुगमता से नगरीय निकाय निर्वाचन कराने में मदद मिलेगी।

राज्य निर्वाचन आयुक्तों के समक्ष विषय विशेषज्ञों ने दिया प्रेजेंटेशन पेंच नेशनल पार्क सिवनी में आयोजित राज्य निर्वाचन आयुक्तों की 31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश के विषय विशेषज्ञों द्वारा सुगम-सुविधाजनक निर्वाचन सम्बन्धी विभिन्न विषयों पर प्रेजेंटेशन दिए गये। आईसीपीएस (इंटरनेशनल सेंटर फॉर पार्लियामेंटलरी स्टडीज) लंदन के डायरेक्टर अरविंद वेंकटरमन ने ''रिकगनाइजिंग इंडियास रोल एस ग्लोवल लीडर इन इलेक्शन एंड इलेक्टोरल डिप्लोमेसी'' विषय पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने भारत जैसे बड़ी लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले देश मे निर्वाचन प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए इलेक्टोरल मैनेजर, ई-लर्निंग जैसे ए-आई टूल्स तथा ब्लॉक चैन के उपयोग करने की प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। सेल्स डायरेक्टर एपीएसी टर्की मेहमत बुरक ने दूरस्थ मतदाता के पंजीयन तथा ऑनलाईन मतदान की कार्ययोजना पर अपना प्रेजेंटेशन दिया।

नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन के अंतर्गत मध्यप्रदेश के प्रस्ताव को स्वीकृति

1.23 करोड़ की मंजूरी, महिला उद्यमिता मंच बनेगा

भोपाल (आरएनएस)। आयुक्त, आर्थिक सांख्यिकी ऋषि गर्ग ने बताया कि भारत सरकार ने नीति आयोग के स्टेट सपोर्ट मिशन अंतर्गत मध्यप्रदेश सरकार के प्रस्ताव को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए रुपये 1.23 करोड़ रूपए की मंजूरी दे दी है। यह स्वीकृति राज्य में उद्यमिता, डेटा-संचालित शासन, आर्थिक वृद्धि, जलवायु अनुकूलन और प्रभाव मूल्यांकन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग और नीति आयोग के बीच विस्तृत विचार-विमर्श और सहयोग के बाद लिया गया। इससे राज्य के विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत @2047 के सपने को साकार करने की प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ हुई है।

सड़कों को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिये वाहन पोर्टल पर ग्रीन सर्विस शुरू

7 लाख पुराने वाहनों पर लगाई गई हाई सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट

भोपाल(आरएनएस)। प्रदेश में सड़कों को प्रदूषण मुक्त बनाये रखने के लिये नेशनल इन्फॉर्मेशन सेंटर (एनआईसी) के वाहन पोर्टल पर हरित सेवा (ग्रीन सर्विस) शुरू की गई है। जिसके माध्यम से वाहनों के रेट्रोफिटमेंट कराये जाने वाली सीएनजी किट के प्रमाणित होने की पुष्टि रहती है। वाहन पोर्टल का संचालन परिवहन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र

राज्य में वाहनों से उत्सर्जित होने वाली हानिकारक गैसों पर नियंत्रण के लिये प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है। प्रदेश में समस्त वाहन प्रदूषण जांच केन्द्रों को एनआईसी के पीयूसीसी पोर्टल के साथ इंटीग्रेट किया जाकर पारदर्शी रूप से ऑनलाइन प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र जारी किया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है। ऑनलाइन पीयूसीसी (पॉल्यूशन अंडर कंट्रोल सर्टिफिकेट) जारी होने से उनका डेटा वाहन पोर्टल पर प्रदर्शित होने लगा है। इस सुविधा से चेकिंग अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र मांगे जाने पर वाहन स्वामी द्वारा ऑनलाइन अथवा इलेक्ट्रॉनिक रूप में दिखाया जा सकता है।

हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट

प्रदेश में वाहनों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिवहन विभाग द्वारा वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) लगाने का कार्य वाहन डीलर के माध्यम से किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक करीब 7 लाख पुराने रजिस्टर्ड वाहनों में हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाई जा चुकी है। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगने से वाहन चोरी की दशा में इसे ट्रेस किया जाना सरल हो जाता है।

ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन

सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अनफिट वाहनों के संचालन पर प्रभावी रोक लगाये के प्रयास परिवहन विभाग द्वारा किये जा रहे हैं। इस उद्देश्य से केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा वाहनों के स्वचलित परीक्षण (ऑटोमेटेड टेस्टिंग) के बाद ही फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किया जाना अनिवार्य किया गया है।

तेज रफ्तार डंपर ने युवको को मारी टक्कर, एक की मौत

भोपाल(ए)। छोला मदिंर थाना इलाके में दो पहिया वाहन सवार युवकों को तेज रफ्तार डंपर ने टक्कर मार दी। डंपर की टक्कर लगने से दोनों युवक

वाहन उसे उछलकर डिवाइडर पर जा गिरे। घटना में वाहन चला रहे युवक की मौत हो गई जबकि उसका दोस्त घायल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर डंपर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि 20 वर्षीय राम श्रीवास पिता राकेश श्रीवास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राइवेट काम करता था। छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित गरीब नगर बस्ती में रहते हुए वह हबीबगंज स्थित सांची डेयरी में नौकरी करता था। बीती रात उसके दोस्त की रिश्ते की बहन की शादी थी। जिसमें शामिल होने के लिए वह दोस्त अमन साहू के साथ चौपड़ा इलाके में गया था। शादी से निकलने के बाद वे घर जाने के बजाए नादिरा बस स्टैंड पहुंचे। वहां चाय पीने के बाद वापस घर के लिए निकले। रात करीब तीन बजे जैसै ही स्वागत शादी हॉल के सामने पहुचें तभी गलत दिशा से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। स्कूटी के अगले हिस्से में टक्कर लगते ही दोनों उछलकर डिवाइडर पर जा जा गिरे।

भाजपा सरकार ने किसानों से किया धोखा, चुनाव में किये वादे से मुकर गई भाजपाः जीतू पटवारी

-खाद, बीज, बिजली की किल्लत से किसान परेशानियों से जूझ रहा है

भोपाल (आरएनएस)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आज मीडिया से चर्चा करते हुये भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। श्री पटवारी ने कहा कि चुनाव में किसानों से गेहूं, धान, सोयाबीन के 2700, 3100 और 6000 दाम, 450 का गैस सिलेण्डर के दाम, महिलाओं को 3000 रूपये देने, युवाओं रोजगार जैसे मुद्दों पर सत्ता में काबिज हुई भाजपा सरकार ने किसानों, महिलाओं और युवाओं के साथ छल किया। श्री पटवारी ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और वर्तमान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी सरकार द्वारा जनता से किए गए चुनावी वादों को पूरा न करने पर सवाल उठाते हुये कहा कि भाजपा ने चुनाव से पहले किसानों, महिलाओं और युवाओं से बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन अब सत्ता में आने के बाद इन वादों को पूरा करने से पीछे हट रही है।

श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा ने किसानों के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार ने चुनाव के समय किसानों से वादा किया था कि उन्हें गेहूं का भाव 2700 और धान का 3100 मिलेगा, लेकिन अब इन वादों पर सरकार चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने मांग की कि किसानों को 3500 प्रति क्विंटल गेहूं का समर्थन मूल्य दिया जाए, क्योंकि खाद, बीज, डीजल, बिजली और मजदूरी सभी महंगे हो चुके हैं। यदि किसानों को उनका हक नहीं दिया गया, तो कांग्रेस पार्टी सरकार के खिलाफ बड़े आंदोलन का ऐलान करेगी। श्री पटवारी ने कहा कि भाजपा ने महिलाओं और युवाओं से किया धोखा। भाजपा ने महिलाओं को 450 का गैस सिलेंडर और 3000 प्रतिमाह देने का वादा किया था, भाजपा अपने वादे से मुकर गई है। युवाओं को 2.5 लाख सरकारी नौकरियों का वादा किया गया था, लेकिन रोजगार की स्थिति पहले से भी बदतर हो गई है। श्री पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश की आर्थिक स्थिति चिंताजनक है। मध्य प्रदेश आज देश का सबसे बड़ा कर्जदार राज्य बन चुका है। सरकार विदेशी निवेश लाने की बात कर रही है, लेकिन सच्चाई यह है कि निवेश के नाम पर प्रदेश को कुछ भी हासिल नहीं हुआ है।श्री पटवारी ने भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुये कहा कि यदि किसानों से गेहूं और धान के लिए वादा किया गया 2700 और 3100 समर्थन मूल्य नहीं दिया गया, तो कांग्रेस पूरे प्रदेश की मंडियों में जाकर प्रदर्शन करेगी।

यातायात सुधार की मुहिम जारी

तेजाजी नगर क्षेत्र में बड़ी संख्या में हटाये गए अतिक्रमण

इन्दौर (आरएनएस)। इंदौर में यातायात सुधार के लिए कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देशन में लगातार मुहिम चलाई जा रही है। मुहिम के तहत सड़कों और फुटपाथ पर सामग्री रख कर यातायात बाधित करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है और अतिक्रमण हटाये जा रहे है। इसी सिलसिले में आज नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देश पर जिला प्रशासन, नगर निगम एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम द्वारा झोन क्रमांक 13 में कार्रवाई की गई। बताया गया कि झोन क्रमांक 13 के अन्तर्गत तेजाजी नगर चौराहे क्षेत्र में फुटपाथ पर अवैध रूप से बने 27 टीन शेड हटाये गये। अन्य अतिक्रमण भी हटाये गए। उक्त कार्यवाही में एसडीएम श्रीमती प्रियंका चौरसिया एवं जोनल अधिकारी अंकेश बिरथरिया आदि उपस्थित थे। रिमूवल की टीम व यातायात बल द्वारा यातायात को सुचारू रूप से व्यवस्थित किया गया।

स्वर्णिम प्रशासन मध्यप्रदेश जागृति अभियान अंतर्गत प्रशासकों, प्रबंधकों तथा कार्यपालकों की राज्यस्तरीय मन प्रबंधन हेतु वर्कशॉप संपन्न

सिंगरौली (आरएनएस)। सिंगरौली 3 मार्च 2025/ स्वर्णिम प्रशासन मध्य प्रदेश जागृति राज्यस्तरीय अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम कलेक्टर चन्द्र शेखर शुक्ला के उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में ब्रम्हकुमारीज भोपाल जोन एवं प्रशासक सेवा प्रभाग द्वारा मध्य प्रदेश में राज्य स्तरीय "स्वर्णिम प्रशासन मध्य प्रदेश जागृति अभियान" के तहत प्रशंसकों प्रबंधको को एवं कार्यपालकों हेतु मन प्रबंधन द्वारा उत्कृष्ट प्रशासन विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में बी के डॉ रीना दीदी अभियान संयोजिका, भोपाल, मीना दीदी, पिंकी दीदी, राहुल भैया उपस्थित रहे। अभियान की संयोजिका डॉ.रीना दीदी जी ने कहा कि जीवन में जितने भी लक्ष्य है सभी को मैनेज करने के लिए मन प्रबंधन की अति आवश्यकता है, वर्तमान समय प्रशासक, प्रबंधन, कार्यपालकों के कार्य में सभी को तनाव का सामना करना पड़ रहा है। अत: अपने सेवा से हमें खुशी और संतुष्टि लानी होगी जिसके लिए हमे अपने शासकीय कार्य करने के लिए नर्म कौशल का प्रयोग करना पड़ेगा। इस दौरान आदरणीय डॉक्टर रीना दीदी ने राजयोग मेडिटेशन द्वारा अपने मन को सकारात्मक दिशा देने का अभ्यास कराया और मन का प्रबंधन करने के लिए विशेष अनुभव युक्त टिप्स दिए। अभियान में सम्मिलित बी.के. राहुल भाई ने प्रशासक वर्ग की सेवाओं से सभी को अवगत कराते हुए अभियान के उद्देश्य और महत्व को स्पष्ट किया, बीके मीना दीदी ने गीत के माध्यम से तनाव मुक्त रहने की एक्टिविटी कराई। वही कलेक्टर श्री शुक्ला ने कहा कि जीवन में सुख दुख साश्वत है हमारे जीवन का मुख्य उद्देश्य मानव कल्याण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन कार्यो में आत्म की स्वीकृती हो उन कार्यो को पूरे मनोयोग के साथ करना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि किसी भी कार्य को सफल बनाने के लिए शरीर एवं मन की एकता सबसे ज्यादा जरूरी है। कार्यक्रम के पश्चात उपस्थित सभी प्रशासकों को ईश्वरीय सौगात, प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुराग मोदी, सहायक संचालक उद्यानिकी एच.एल निमोरिया सहित जिलाधिकारी कर्मचारी सहित ब्रम्हकुमारी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आध्यात्मिक सशक्तिकरण , स्वच्छ एवं स्वस्थ थीम पर दिया गया मार्गदर्शन

विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर हुए कार्यक्रम

कान-नाक-गला की देखरेख के संबंध में किया गया लोगों को जागरूक

इन्दौर (आरएनएस)। विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर ईएनटी विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न संस्थाओं पर पदस्थ मेडिकल ऑफिसर एवं नर्सिंग ऑफिसर को कान-नाक-गला की देखरेख कैसे करें, इस हेतु जन जागरूकता के लिए प्रशिक्षण प्रदाय किया गया। इस अवसर पर खण्ड स्तर पर भी जन सेवा हेतु शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत पदस्थ मोबाइल हेल्थ दल द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र एवं विद्यालयों में बच्चों की स्क्रीनिंग की गई। साथ ही आम जन को सामुदायिक स्तर पर इस हेतु जागरूक भी किया गया कि कान के रिसाव होने पर डॉक्टर से तुरंत सलाह लें, कान को डॉक्टर से ही साफ करवाये, स्वयं या अन्य किसी से नहीं, अगर बार-बार कान से रिसाव हो रहा है, तो हो सकता है कान की हड्डी गल रही है या कोई अन्य वस्तु या चीज कान में फंसी हुई है। इसके अलावा अगर बच्चा जन्म से मूक बधिर है तो शासन के माध्यम से 05 वर्ष तक ऐसे बच्चों का आरबीएस के तहत बाल श्रवण योजना से नि:शुल्क उपचार करवाया जाये, जिससे वह सुन व बोल सकें।

महिलाओं ने अपनी लेखनी से समाज को दिशा दी : मंत्री सुश्री भूरिया

झाबुआ(ए.) । लेखन समाज का दर्पण होता है। जब एक लेखिका अपनी रचनाओं के माध्यम से महिलाओं की स्थिति, उनके अधिकारों, उनके संघर्षों और उनके उत्थान की बात करती है, तो वह केवल अपनी ही कहानी नहीं बयां करती, बल्कि वह उन सभी महिलाओं की बात करती है जो मौन हैं, जो संघर्ष कर रही हैं और जो बदलाव की प्रतीक्षा कर रही हैं। यह बात महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहीं। वे भोपाल में स्थित हिंदी भवन के सभागार में हिंदी लेखिका संघ मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित 30 वां वार्षिक कृति पुरस्कार एवं सम्मान समारोह 2024-25 में संबोधित कर रही थी।

सुश्री भूरिया ने कहा कि लेखन समाज के हर वर्ग को संदेश देता है। महिला लेखिकाओं का योगदान अमूल्य है और हम सभी को इसे पहचानने और प्रोत्साहित करने की जरूरत है। उन्होने कहा कि हिन्दी साहित्य का इतिहास समृद्ध और विविधताओं से भरा हुआ है, जिसमें नारी का योगदान एक अहम् और विशिष्ट स्थान रखता है। हमारे देश के साहित्य में अनेक महान लेखिकाओं का योगदान रहा है, जिन्होंने न केवल समाज में विद्यमान सामाजिक कुरीतियों और भेदभाव को उजागर किया, बल्कि उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से नारी के अधिकारों की लड़ाई भी लड़ी। यही कारण है कि हमें यह समझने की जरूरत है कि महिला लेखिकाओं ने केवल साहित्य

में ही नहीं, बल्कि समाज में भी एक नई दिशा का संचार किया है। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि प्रारंभ में महिला लेखकों को पुरुष लेखकों के मुकाबले कम मान्यता मिलती थी। लेकिन समय के साथ हमारे समाज और साहित्य में बदलाव आया है। आज ऐसी अनेक महिला लेखिकाएं हैं, जिन्होंने अपने लेखन से साहित्यिक जगत को एक नया आयाम दिया है। महिला लेखिकाओं ने हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज की है। चाहे वह कहानी हो, कविता हो, उपन्यास हो या निबंध हो, हर रूप में उनकी आवाज़ सुनाई दी है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि यह सम्मान समारोह नई लेखिकाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत बनेगा। हमें यह समझने की जरूरत है कि साहित्य में नया दृष्टिकोण, नयी सोच और नवाचार की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। आज हम जिन लेखिकाओं को सम्मानित कर रहे हैं, उन्होंने न केवल साहित्य की दुनिया को समृद्ध किया है, बल्कि वे अपने लेखन के माध्यम से समाज के हर वर्ग, हर मुद्दे को जागरूकता और संवेदनशीलता से पेश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दी लेखिका संघ द्वारा आयोजित यह सम्मान समाराह सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह महिला लेखन के प्रति हमारी न्यायसंगत समझ और समर्पण का प्रतीक है। हम सभी को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि महिलाएं अपने लेखन के माध्यम से अपनी आवाज़ उठाएं और समाज में बदलाव लाने में सक्षम हों। कार्यक्रम में हिंदी लेखिका संघ के प्रतिष्ठित सम्मान 2024-25, अमृत पर्व सम्मान वह वह हिंदी लेखिका संघ के कीर्ति पुरस्कार 2024-25 प्राप्त करने वाली लेखिकाओं को शॉल, श्रीफल, पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी दौरान वरिष्ठ पत्रकार सम्मान एवं युवा पत्रकार सम्मान भी प्रदान किया गया। हिंदी लेखिका संघ की स्थापना 1975 में हुई थी आज इसको 30 वर्ष हो गए हैं। यह संस्था लेखिकाओं की सृजनात्मक क्षमता को समाज में अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करती है।

ईव्हीएम के बाद अब पेपरलेस बूथ के माध्यम से चुनाव पर विचार

सिवनी (आरएनएस)। पंचायत एवं नगरीय निकाय चुनाव में ईव्हीएम के बाद अब पेपरलेस बूथ की कल्पना को मूर्त दिया जा रहा है। पंचायत उप निर्वाचन में चुनाव पेपरलेस बूथ के माध्यम से सफलतापूर्वक कराये जा चुके हैं। मध्यप्रदेश के राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने यह बात राज्य निर्वाचन आयोग की 31वीं नेशनल कॉन्फ्रेंस में कही। कॉन्फ्रेंस पेंच जिला सिवनी में आयोजित की गई है।

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा कराये जाने वाले पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन लोकतंत्र की प्रयोगशाला और परीक्षण स्थली हैं। पूरी दुनिया के साथ भारत का यह अनुभव है कि जब भी निर्वाचन संबंधी कोई महत्वपूर्ण प्रयोग होते हैं, तो सबसे पहले स्थानीय निर्वाचनों में होते हैं। जब महिलाओं को प्रतिनिधि संस्थाओं में आरक्षण का विचार आया, तो सबसे पहले पंचायतों और स्थानीय निकायों में इसे लागू किया गया।

व्यापार समाचार

देश की प्रमुख इंडस्ट्रीज की वृद्धि दर जनवरी में 4.6 प्रतिशत रही

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश की आठ प्रमुख इंडस्ट्रीज के संयुक्त सूचकांक में सालाना आधार पर जनवरी 2025 में 4.6 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।आंकड़ों के मुताबिक, सीमेंट, रिफाइनरी उत्पादों, कोयला, स्टील, फर्टिलाइजर और इलेक्ट्रिसिटी में साकारात्मक वृद्धि देखी गई है।इन आठ मुख्य इंडस्ट्री की औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में हिस्सेदारी 40.27 प्रतिशत है।चालू वित्त वर्ष के अप्रैल से जनवरी की अवधि में आठ प्रमुख इंडस्ट्रीज के संयुक्त सूचकांक की संचयी वृद्धि दर पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 4.4 प्रतिशत पर रही है।जनवरी में कोयला उत्पादन पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 4.6 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि इसका संचयी सूचकांक अप्रैल से जनवरी 2024-25 तक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 6 प्रतिशत बढ़ा है। पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन, जिसका सूचकांक में भार 28.04 प्रतिशत है, जनवरी 2025 में जनवरी 2024 की तुलना में 8.3 प्रतिशत बढ़ गया है। इसका संचयी सूचकांक अप्रैल से जनवरी 2024-25 तक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 3.3 प्रतिशत बढ़ गया है।जनवरी 2025 में फर्टिलाइजर उत्पादन में जनवरी 2024 की तुलना में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई क्योंकि इस वर्ष बेहतर मानसून के कारण रबी की बुआई में तेजी आई है।स्टील उत्पादन, जिसका सूचकांक में भार 17.92 प्रतिशत है, जनवरी 2025 में जनवरी 2024 की तुलना में 3.7 प्रतिशत बढ़ गया। इसका संचयी सूचकांक अप्रैल से जनवरी 2024-25 तक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5.9 प्रतिशत बढ़ गया है।सीमेंट उत्पादन, जिसका सूचकांक में भार 5.37 प्रतिशत है, जनवरी 2025 में जनवरी 2024 की तुलना में 14.5 प्रतिशत बढ़ गया। इसके संचयी सूचकांक में अप्रैल से जनवरी 2024-25 तक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 4.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।बिजली उत्पादन, जिसका सूचकांक में भार 19.85 प्रतिशत है, जनवरी 2025 में जनवरी 2024 की तुलना में 1.3 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि इसके संचयी सूचकांक में अप्रैल से जनवरी 2024-25 तक पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि, कच्चे तेल और नेचुरल गैस के उत्पादन में इस महीने कमी दर्ज की गई है।

पीएलआई का असर! भारत ने शुरू किया हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का निर्यात

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अब देश से हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का निर्यात ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के लिए शुरू हो गया है। केंद्रीय रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की पोस्ट में वैष्णव ने कहा कि सरकार घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों के लिए उपकरणों, सब-असेंबली और कैपिटल उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने आगे लिखा कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में नए आयाम छू रहा है।

वैष्णव ने आगे कहा कि देश ने वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग गंतव्यों के लिए हाई-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का निर्यात शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य इस सुनियोजित कदम के जरिए निर्यात हासिल करना और मूल्यवर्धन बढ़ाना है।

देश में घरेलू स्तर पर मैन्युफैक्चरिंग बढ़ाने के लिए लाई गई प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) और मेक इन इंडिया पहल ने घरेलू स्तर पर उत्पादन बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने में मदद की है। इससे भारतीय मैन्युफैक्चरर्स को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में भी मदद मिल रही है।

एफआईआई' नहीं, घरेलू निवेशक तय करेंगे भारत का भविष्य : पीयूष गोयल

मुंबई (आरएनएस)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में कहा कि भारत का भविष्य विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) नहीं, बल्कि घरेलू निवेशक तय करेंगे। उन्होंने इंडस्ट्री से छोटे निवेशकों के हितों की सुरक्षा करने और बाजार में उतार-चढ़ाव को कम करने का आग्रह किया।केंद्रीय मंत्री गोयल ने जोर देकर कहा कि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) करीब 70 लाख करोड़ रुपये हैं और जल्द ही 100 लाख करोड़ रुपये हो जाएंगी, जो बाजार पर हावी होंगी। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) समिट 2025 में अपने संबोधन के दौरान गोयल ने कहा कि म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने वित्तीय साक्षरता को प्रोत्साहित किया है और उद्योग और निवेशकों तक नए वित्तीय विचारों को पहुंचाकर भारत की विकास गाथा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।केंद्रीय मंत्री ने कोविड के बाद एफआईआई द्वारा पैदा की गई कमी को पूरा करने के लिए घरेलू निवेशकों की सराहना की। केंद्रीय मंत्री गोयल ने उपस्थित लोगों से कहा, घरेलू निवेशकों के साथ-साथ एसआईपी जैसे निवेश के तरीकों ने बाजार को सहारा दिया। उन्होंने देश के हर हिस्से में वित्तीय जागरूकता और वित्तीय उत्पादों को फैलाने में मदद की।

बड़े पैमाने पर फंड का प्रवाह और निवेशकों के बीच आकर्षक शेयरों को खोने का डर राइटसाइजिंग के दौरान निवेशकों के बीच संकट लेकर आया।

गोयल ने कहा कि बाजार की एकतरफा राह पर चलने की कभी न खत्म होने वाली क्षमता के बारे में बहुत सारी गलत सूचनाएं जारी हुई हैं। उन्होंने शेयर बाजार की अनिश्चितता को इंडस्ट्री और उसके छोटे निवेशकों के लिए एक वेक-अप कॉल बताया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि एएमएफआई को भी गुमराह निवेशकों को बाकी लोगों से अलग कर अपने कर्तव्यों के प्रति सचेत होना चाहिए।

हाल की उथल-पुथल के दौरान भी हिम्मत वाली कंपनियों ने शेयर बाजार में उचित मूल्य बनाए रखा है।

गोयल ने कहा, बाजार के प्रति इंडस्ट्री के कर्तव्य और जिम्मेदारियां निवेशकों को अल्पावधि में मिलने वाले लाभदायक रिटर्न से कहीं अधिक हैं।उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी खर्च और निजी पूंजीगत व्यय में वापसी के संकेत मिल रहे हैं।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की अपने निवेशकों के प्रति जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से बताते हुए मंत्री ने प्रतिभागियों से निवेशकों को जोखिम लेने से सावधान करने में अधिक सतर्क रहने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने उम्मीद जताई कि इस तरह की पहल अगले 22 वर्षों के लिए भारत की विकास गाथा को गति देने में मददगार होगी।

GOOGLE का कर्मचारियों को 60 घंटे काम करने का आदेश, कहा- AI रेस में झोंकनी होगी पूरी ताकत

नई दिल्ली (आरएनएस)। आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस (एजीआई) की दौड़ में शीर्ष पर बने रहने के लिए गूगल ने अपने कर्मचारियों पर काम का दबाव बढ़ा दिया है। कंपनी के को-फाउंडर सर्गेई ब्रिन ने कर्मचारियों को एक आंतरिक मेमो में सप्ताह में 60 घंटे काम करने और हर दिन ऑफिस आने का निर्देश दिया है।ब्रिन ने अपने मेमो में स्पष्ट किया कि गूगल एआई की प्रतिस्पर्धा में जीत हासिल करने की क्षमता रखता है, लेकिन इसके लिए कर्मचारियों को पहले से कहीं अधिक समर्पण और कड़ी मेहनत दिखानी होगी। उनका यह आदेश ऐसे समय में आया है जब एजीआई के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा तेजी से बढ़ रही है और गूगल किसी भी हालत में इस दौड़ में पीछे नहीं रहना चाहता है।ब्रिन का यह निर्देश भारत के कुछ प्रमुख उद्योगपतियों की हालिया टिप्पणियों के अनुरूप है, जिन्होंने कर्मचारियों के लिए लंबे समय तक काम करने की वकालत की है। इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने दशकों तक 70 घंटे प्रति सप्ताह काम करने का उदाहरण दिया, जबकि एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यन ने 90 घंटे तक काम करने की बात कही थी। इन बयानों ने सोशल मीडिया पर काम के घंटे और कार्य-जीवन संतुलन को लेकर एक नई बहस छेड़ दी थी।ब्रिन ने कर्मचारियों को न केवल लंबे समय तक काम करने के लिए कहा है, बल्कि दैनिक रूप से ऑफिस आने पर भी जोर दिया है। उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारियों के लिए कार्यदिवस पर ऑफिस आना और अपनी उत्पादकता में वृद्धि करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने 60 घंटे के कार्य सप्ताह को आदर्श बताते हुए यह भी चेतावनी दी कि इससे अधिक काम करने पर कर्मचारियों में बर्नआउट का खतरा बढ़ सकता है।ब्रिन ने चिंता व्यक्त की कि कुछ कर्मचारियों द्वारा कम काम करने से टीम के मनोबल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, जिसे उन्होंने टीम वर्क के लिए हानिकारक बताया। गूगल का यह कठोर कदम कंपनी की एजीआई डेवलपमेंट टीम द्वारा जेमिनी एआई पर किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्य के बीच आया है। ब्रिन का मानना है कि कर्मचारियों के सामूहिक और अधिक केंद्रित प्रयासों से गूगल एआई के क्षेत्र में नेतृत्व की स्थिति प्राप्त कर सकता है। उन्होंने वर्तमान समय को एजीआई की अंतिम दौड़ की शुरुआत के रूप में वर्णित किया है, जिसे गूगल जीतने के लिए दृढ़ संकल्पित है।ब्रिन के इस निर्णय से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि टेक कंपनियां अब हाइब्रिड वर्क पॉलिसी से धीरे-धीरे पीछे हट रही हैं और अपने कर्मचारियों को पूर्णकालिक रूप से ऑफिस में वापस लाने का प्रयास कर रही हैं।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बायोफ्यूल उत्पादक देश बनकर उभरा 'भारत' : हरदीप पुरी

नई दिल्ली (आरएनएस)। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि ग्लोबल एनर्जी लैंडस्केप में भारत ने अपनी स्थिति को मजबूत करते हुए तीसरे सबसे बड़े बायोफ्यूल उत्पादक के रूप में अपनी पहचान बनाई है, जो कि स्वच्छ और अक्षय ऊर्जा की ओर बढ़ते कदम को दिखाता है।केंद्रीय मंत्री ने एक्स सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में बताया, भारत ने इस साल जनवरी तक पेट्रोल में 19.6 प्रतिशत इथेनॉल ब्लेंडिंग हासिल कर लिया है और मूल 2030 शेड्यूल से पांच साल पहले ही 20 प्रतिशत हासिल करने की तैयारी है, जिससे ईंधन आयात और उत्सर्जन में कमी आएगी। आधिकारिक अनुमान के अनुसार, पिछले 10 वर्षों के दौरान इथेनॉल ब्लेंडिंग पहल ने किसानों की आय में वृद्धि की है क्योंकि यह गन्ने से बनाया जाता है, जो ग्रामीण रोजगार में वृद्धि को दर्शाता है।

रिस्क है तो इश्क है.. आ गया निवेशकों के लिए करोड़पति बनने का समय

मुंबई (आरएनएस)। शेयर बाजार में लेहमन ब्रदर्स, डिमोनेटाइजेशन और कोविड के समय आई गिरावट में एक बात सामान्य थी कि यह सभी खरीदारी के अच्छे मौके थे। इस कारण मौजूदा शेयर बाजार की गिरावट को निवेशकों को एक मौके के रूप में देखना चाहिए। यह बयान जानकारों ने शनिवार को दिया।

कैपिटलमाइंड रिसर्च में सीनियर एनालिस्ट, कृष्णा अप्पाला ने कहा कि मौजूदा शेयर बाजार की गिरावट काफी पीड़ादायक है, लेकिन इतिहास सिखाता है कि यह खरीदारी का अच्छा मौका है। कमजोर वैश्विक संकेतों के कारण भारतीय शेयर बाजार के मुख्य सूचकांकों में इस हफ्ते 3 प्रतिशत से अधिक की गिरावट हुई है। इस गिरावट की वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से कनाडा और मैक्सिको पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ऐलान माना जा रहा है।

इसके अलावा अमेरिका ने चीन पर भी अतिरिक्त 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जिसके कारण अमेरिका में चीनी उत्पादों पर अब टैरिफ 20 प्रतिशत हो गया है। अमेरिका की इन घोषणाओं का असर वैश्विक बाजारों पर भी देखने को मिला। इसके साथ शुक्रवार को भारतीय बाजार 2 प्रतिशत तक गिरकर बंद हुए। अप्पाला ने कहा, बीते 30 वर्षों में बाजार कई बार 20 प्रतिशत से अधिक गिरे हैं। हालांकि, इन 30 वर्षों में से 22 बार बाजारों ने सकारात्मक रिटर्न दिया है। उन्होंने आगे कहा कि बाजार में अनुशासन मुश्किल समय में काफी मायने रखता है। लंबी अवधि में अच्छे रिटर्न पाने का मार्ग केवल सीधा नहीं होता। इसमें उतार-चढ़ाव आता रहता है। इसके साथ ही कहा कि जब भी बाजार में गिरावट आती है तो रिकवरी उससे भी तेज आती है और इतिहास इसका साक्षी रहा है। भारतीय शेयर बाजार में बीते हफ्ते बड़ी गिरावट देखी गई। सोमवार (24 फरवरी) को सेंसेक्स 857 अंक गिरकर 74,000 से नीचे बंद हुआ, जबकि निफ्टी 242.55 अंक गिरकर 22,553.35 पर बंद हुआ। मंगलवार (25 फरवरी) को कुछ राहत मिली। इस दौरान सेंसेक्स में 147 अंकों की बढ़त हुई। हालांकि, निफ्टी में गिरावट का सिलसिला जारी रहा और यह लगातार छठवां सत्र था, जब नेशनल सटॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुख्य सूचकांक में गिरावट देखी गई है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

शराब नीति में हेरा-फेरी

आम आदमी पार्टी (आप) के क्रियाकलाप पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की बहुप्रतीक्षित रिपोर्ट अंततः दिल्ली विधानसभा के पटल पर रख दी गई।

कुल चौदह मामलों पर कैग ने रिपोर्ट तैयार की हैं, लेकिन जिस रिपोर्ट पर सबकी नजर लगी थीं, वह आबकारी नीति के संबंध में है। इस रिपोर्ट में शराब नीति को लेकर कोई व्यवस्था जितनी तरह की लापरवाहियां बरत सकती है, जितनी तरह की अनियमितताएं कर सकती है, और विभिन्न हित समूहों के लिए भ्रष्टाचार की जितनी गुंजाइशें छोड़ी जा सकती हैं, उन सबका उल्लेख किया गया है।

पुरानी नीति की प्रक्रियागत खामियों को दूर करने के लिए ही नई नीति का मसौदा तैयार किया था लेकिन नई नीति के क्रियान्वयन में विशेषज्ञ समिति के अनेक सुझावों को दरकिनार किया गया। दिल्ली में शराब वितरण केंद्रों की न केवल संख्या बढ़ा दी गई, बल्कि वितरण उन क्षेत्रों में भी पहुंचा दिया गया जहां पहले प्रतिबंधित था यानी स्कूल और आवासीय परिसरों के निकट। उत्पादन और वितरण की एजेंसियों का भी मनमाने ढंग से चयन किया गया।

उन संस्थाओं को ठेके दे दिए गए जो पात्रता नहीं रखती थीं और रखती भी थीं तो उन्हें जरूरत से ज्यादा खुदरा विक्रय केंद्र आवंटित कर दिए गए। रिपोर्ट में यह उल्लेख स्पष्ट है कि शराब नीति में हेरा-फेरी और उसके क्रियान्वयन में जो तौर-तरीके अपनाए गए उनके चलते लगभग दो हजार करोड़ रुपये से ज्यादा नुकसान दिल्ली सरकार को हुआ।

यह तभी हो सकता है, जब नुकसान की राशि का कुछ न कुछ हिस्सा उन लोगों के पास पहुंचा हो जिन्होंने नुकसान होने दिया और इसी ने ईडी, सीबीआई जैसी एजेंसियों के लिए जांच की स्थितियां तैयार कीं जिसके कारण तबके मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह जैसे लोगों को जेल जाना पड़ा।

यह रिपोर्ट लोक लेखा समिति को भेज दी गई है। उसकी रिपोर्ट मिलने पर शेष स्थितियां उजागर होंगी। लेकिन आप की सरकार अपने ऊंचे-ऊंचे वादों, विचारों के पैमानों पर असफल हुई और दुखद यह है कि पराजय के बाद भी उसके नेताओं ने सबक नहीं लिया है। वे शुद्ध राजनीति पर लौटने की बजाय हंगामा खड़ा करने में अब भी ज्यादा भरोसा किए हुए हैं।

राहुल की विचारधारा बदली, लाइन भी अलग

हरिशंकर व्यास

राहुल गांधी 35 साल की उम्र में 2004 में सांसद बने थे। तब से यानी पिछले 20 साल से अपनी टीम बनाने की कोशिश में हैं। एक बार उन्होंने 2009 में राजकुमारों की टीम बनाई थी, सबको मंत्री बनाया था लेकिन उनमे से ज्यादातर लोग कांग्रेस छोड़ कर चले गए।

परंतु उनकी इस राजनीति का नतीजा यह हुआ है कि सोनिया गांधी की टीम बनाम राहुल गांधी की टीम यानी पुराने और नए नेताओं का झगड़ा स्थायी बना।

अब जबकि कांग्रेस के ज्यादातर पुराने नेताओं का या तो निधन हो गया है या वे रिटायर है या हाशिए में चले गए है तो राहुल गांधी फिर नई टीम बना रहे हैं। इस बार उनकी विचारधारा भी बदली हुई है, राजनीतिक लाइन भी अलग है और चेहरे भी अलग हैं।

उनकी राजनीति को समझाने के लिए बिहार कांग्रेस के एक बहुत पुराने नेता, जो डॉक्टर जगन्नाथ मिश्र के बहुत करीबी रहे नेता ने कहा है कि वामपंथी राजनीति देश में लगभग खत्म हो गई है, केरल के अलावा अगर वह कहीं बची है तो राहुल गांधी की टीम में बची है।

पता नहीं यह बात पूरी तरह से सही है या नहीं लेकिन इतना दिख रहा है कि वामपंथी विचारधारा से जुड़े या एनजीओ के अंदाजा में काम करने वाले युवा राहुल गांध की कोर टीम में जुड़े हैं।

खुद राहुल गांधी जाति गणना कराने, आरक्षण की सीमा 50 हजार से ज्यादा करने, आबादी के अनुपात में राजनीतिक व प्रशासनिक पद देने आदि के विचार में काम कर रहे हैं।

अपनी इसी समझ में वे टीम चुन रहे हैं। नेताओं की योग्यता, उनकी क्षमता, राजनीतिक अनुभव, जनता के साथ संपर्क आदि को दरकिनार करके वे उन लोगों को संगठन में आगे बढ़ा रहे हैं, जिन लोगों का विचार है कि आरक्षण की सीमा 75 फीसदी होनी चाहिए।

पार्टियों के संगठन के पद जाति व धर्म के आधार पर भरे जाने चाहिए। प्रशासनिक सेवाओं से लेकर मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में ओबीसी, दलित, आदिवासी को आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।

इसी सोच में उन्होंने 11 केंद्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति कराई है। इनमें आठ नेता ओबीसी, दलित, आदिवासी और मुस्लिम समुदाय के हैं।

हालांकि ऐसा नहीं है कि ये सभी नेता स्वाभाविक प्रक्रिया से निकल कर ऊपर तक पहुंचे हैं और किसी पूर्वाग्रह की वजह से पहले उनको जिम्मेदारी नहीं मिल रही थी।दो प्रदेशों में पिछड़ा और दलित अध्यक्ष बनाने के बाद 11 केंद्रीय पदाधिकारियों की नियुक्ति को देख कर लग रहा है कि कैसे रैंडम तरीके से नेता चुने जा सकते हैं और उन्हें जिम्मेदारी दी जा सकती है।

नई नियुक्तियों में कोई तारतम्य नहीं दिख रहा है। तेलुगू भाषी व्यक्ति को झारखंड और कन्नड़ भाषी व्यक्ति को बिहार का प्रभारी बनाने के पीछे क्या सोच हो सकती है, यह कोई नहीं बता सकता है।

अब तक परदे के पीछे से काम कर रहे लोगों को घनघोर राजनीति करने वाले राज्यों में प्रभारी बना कर भेजने के पीछे भी क्या सोच है, यह कोई नहीं बता पाएगा।

बरसों से इस बात की चर्चा है कि कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को कांग्रेस की परंपरा से निकले नेताओं को आगे लाना चाहिए। जैसे भाजपा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रशिक्षण से निकले नेता भाजपा संगठन में रोल निभा रहे हैं।

वे कितने योग्य और सक्षम हैं यह अलग बात है लेकिन कम से कम एक पृष्ठभूमि है। लेकिन कांग्रेस में एनएसयूआई की पाठशाला से निकला शायद ही कोई नेता संगठन में अहम पदों पर होगा।

राहुल गांधी ने तो एनएसयूआई यानी कांग्रेस की राजनीति की नर्सरी का ही प्रिंसिपल सीपीआई से आए कन्हैया कुमार को बना दिया है। कन्हैया एनएसयूआई के प्रभारी हैं।

भाजपा में तो समझ में आ रहा है कि 50 से 55 साल के नेताओं और पहली, दूसरी बार के विधायकों, सांसदों को अहम जिम्मेदारी इसलिए दी जा रही है ताकि वे चुनौती नहीं बन सकें।

कांग्रेस में तो ऐसा कोई खतरा नहीं है। नेहरू, गांधी परिवार के लिए कोई चुनौती नहीं बन सकता है। वहां आरएसएस जैसी किसी संस्था की पसंद, नापसंद का ख्याल भी नहीं रखना है।

फिर क्यों मजबूत नेताओं की जगह परदे के पीछे काम करने वालों को निजी निष्ठा के आधार पर नियुक्त किया जा रहा है? समस्या यह भी है कि राहुल गांधी, जिसको चुन देते हैं या कहीं बैठा देते हैं तो वह सुप्रीम हो जाता है। वह किसी को कुछ नहीं समझता है।

दिल्ली में प्रभारी के अलावा किसी की बात नहीं सुनी जाती है। जैसे महाराष्ट्र में नाना पटोले अध्यक्ष बने तो बाकी सारे नेता हाशिए में डाल दिए गए। पटोले खुद ही सीएम दावेदार हो गए।ऐसे ही मध्य प्रदेश में पहले कमलनाथ थे और अब जीतू पटवारी हैं।

छत्तीसगढ़ में जो हैं सो भूपेश बघेल हैं और हरियाणा में सब कुछ भूपेंद्र सिंह हुड्डा के हवाले था।

तेलंगाना के सारे फैसले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हवाले छोड़े गए हैं तो हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू को ऐसी ताकत दी गई कि वीरभद्र सिंह का परिवार नाराज हुआ। प्रदेश अध्यक्ष या मुख्यमंत्री या प्रभारी इनके अलावा प्रदेश की राजनीति में किसी की नहीं चलती है।

कोई स्वतंत्र फीडबैक नहीं ली जाती है। अभी तक यह सिस्टम चल रहा है कि अगर प्रदेश का कोई नेता इन तीन के खिलाफ शिकायत करे तो घूम फिर कर वह शिकायत इन्हीं के पास पहुंच जाती है।

राहुल अपनी कोर टीम के सदस्यों को फील्ड की राजनीति के लिए भेज रहे हैं और उनके अलावा मल्लिकार्जुन खडगे या प्रियंका गांधी वाड्रा के प्रति निजी निष्ठा वालों को महत्वपूर्ण पद दिए जा रहे हैं।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में बेल्जियम की राजकुमारी एस्ट्रिड से मुलाकात की.

वैश्विक राजनीति में तरक्की पसंदगी का दौर खत्म

श्रुति व्यास

दुनिया रूढिवाद के सैलाब में डूब-उतरा रही है। मध्यमार्गी बेचारे' हो चले हैं। वे मध्य-दक्षिणपंथियों और लोकलुभावनवादी दक्षिणपंथियों से पिट रहे हैं। जर्मनी इस सैलाब का सबसे नया शिकार है। वहां की मध्य-दक्षिणपंथी क्रिस्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी (सीडीयू) के नेता फ्रीड्रेक मर्त्ज़ का देश का अगला चांसलर बनना तय है। हालांकि मतदाताओं का दक्षिणपंथियों की ओर झुकाव अनुमानों से कम है, फिर भी यह जबरदस्त है। रूढिवादियों ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद संकल्प लिया था कि उनसे अधिक दक्षिणपंथी कोई भी दल चुनावों में कामयाबी हासिल नहीं कर सकेगा। अब यह साफ है कि वे अपने संकल्प को पूरा करने में नाकामयाब रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर रूढिवादी सीडीयू/सीएसयू ने अधिकतर सीटों पर जीत हासिल की है। और अति-दक्षिणपंथी एएफडी दूसरे स्थान पर रही है।

लेकिन जर्मनी के ये नतीजे न तो आश्चर्यजनक है और ना ही धक्का पहुंचाने वाले हैं।

सारी दुनिया में निराशा, मोहभंग और सार्वभौम मूल्यों के प्रति बगावत का माहौल है। इससे उग्र-दक्षिणपंथी और व्यवस्था-विरोधी दलों की ताकत में इजाफा हुआ है। स्थापित राजनीति को लेकर निराशा और मायूसी है, विशेषकर युवाओं में। अध्ययनों और रायशुमारियों में दावा किया गया है कि युवा आजादी (अर्थात उदारवाद) की बजाए अंकुशों (यानि रूढिवादिता) के अधिक पक्षधर हैं। अंतर्राष्ट्रीय शोध संस्था ग्लोकेलाईटिस द्वारा 2024 में किए गए अध्ययन से पता लगता है कि 2014 से 2023 के बीच, कुल मिलाकर दुनिया अधिक उदारवादी बनी। हालांकि वह इसके साथ-साथ अधिक निराशावादी भी हो गई थी। इसका नतीजा यह हुआ कि सभी महाद्वीपों में उग्र-दक्षिणपंथी मतदाताओं की छवि बदल रही है, और अति दक्षिणपंथ के प्रति समर्थन युवावर्ग में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। इसकी वजह तो साफ़ है, हालांकि इसे समझना आसान नहीं है। उनकी सोच में ढेर सारी कमियां है, पाखंड है क्योंकि उनकी कोई विचारधारा ही नहीं है। युवा पंथनिरपेक्ष नजर आना चाहते हैं, और यह नहीं चाहते कि उन पर जेनोफोबिक (विदेशियों से नफरत करना वाला) होने का ठप्पा लगा दिया जाए। लेकिन वे प्रवासियों के खिलाफ हैं, और भारत के मामले में मुसलमानों और उनकी संस्कृति के। वे महसूस करते हैं कि पुराने राजनैतिक दल मुसलमानों के अधिक पक्षधर रहे हैं। जिन नौकरियों और घरों पर उनका हक था, वे अल्पसंख्यकों को दे दी गईं और उन्हें तकलीफ झेलने के लिए छोड़ दिया गया। वे महसूस करते हैं कि उनकी ओर से मुंह फेर लिया गया है, उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। इसलिए उन्हें उनकी भावनाओं के अनुकूल बातों और प्रोपेगेंडा से राहत महसूस होती है। उन्हें लगता है कि वे सही सोच रहे हैं। उनकी नजरों में दक्षिणपंथी ही ठीक बात कर रहे हैं।दक्षिणपंथ की ओर आए इस झुकाव ने लोकतंत्र के प्रति आस्था को और धक्का पहुंचाया है। केब्रिज के शोधकर्ताओं द्वारा 2020 में 160 देशों के लोगों के रवैयों का अध्ययन किया गया। अध्ययन में यह पाया गया कि युवा पीढ़ी का लोकतंत्र से अधिकाधिक मोहभंग होता जा रहा है। और पीयू रिसर्च सेंटर के मुताबिक 12 उच्च आय वाले देशों के करीब दो-तिहाई नागरिक लोकतंत्र से असंतुष्ट थे। यह अनुपात 2017 में आधे से भी कम था।

आखिर क्या बदल गया है?

तेजी से बदलते समय ने पुरानी यादों को धुंधला कर दिया है। 1930 के दशक के फासीवाद, जिसके चलते व्यापक नरसंहार वाला विनाशकारी युद्ध हुआ था, को दुनिया भूल चली है। तानाशाही और अति-दक्षिणपंथी अतिवाद अब पहले जितना कलंकित नहीं रहा। 1970 के दशक में ट्रंप, मिलोनी, और मोदी जैसे नेताओं को हिटलर और मुसोलनी का अवतार समझा जाता।

लोग उनसे डरते, उनसे नफरत करते। लेकिन अब अधिनायकवादी लोगों की तानाशाही का भय नहीं है, बल्कि अब अल्पसंख्यकों, मुसलमानों को अधिकार और शक्ति दिए जाने के प्रति डर है। देश की सीमाओं के बाहर से आने वालों के प्रति भय है।समय बदलता रहता है। एक समय स्टेटसमैनों' का था। जब विविधता, समानता, समावेशिता, पूंजीवाद और आजादी के मूल्यों का बोलबाला था। यह वह दौर भी था जिसमें रूढ़िवादी विचारों को खारिज किया जाता था। बहुसंख्यक वर्ग महसूस करता था कि उसे दूसरों से अधिक हक़ नहीं होने चाहिए। आज राजनैतिक माहौल बदल रहा है। दक्षिणपंथ की ओर झुकाव में जनता खुद को महफूज़ महसूस करती है। क्या दक्षिणपंथ की ओर इस झुकाव को इस बात का संकेत माना जा सकता है कि वैश्विक राजनीति में तरक्कीपसंदगी का दौर खत्म हो गया है? अभी तो ऐसा ही लग रहा है।

मेष राशि- आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आज आप अपने निजी जीवन में चली आ रही परेशानियों को खत्म करने में कामयाब रहेंगे। पारिवारिक जीवन में खुशियां आएंगी। कार्य क्षेत्र में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। सरकारी नौकरी पाने का प्रयास कर रहे हैं लोगों को नए अवसर मिलने की संभावना है।

वृष राशि- आज आपका दिन बदलाव लाने वाला है। आज आप अपनी दिनचर्या में बदलाव करेंगे। आप लोगों की मदद करने के लिए समय निकालेंगे। इस दौरान आपको अपने स्वास्थ्य का खास ख्याल रखने की जरूरत है। जिससे आपकी निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। व्यापार के विकास में किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह लेंगे। आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपके लिए आमदनी के योग बनेंगे।

मिथुन राशि- आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आपके रुके हुए काम पूरे होंगे। जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, और पूरे मनोबल के साथ आप कार्यक्षेत्र में अपने कार्यों को पूरा करेंगे। नौकरी में ट्रांसफर के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। परिवार के साथ आप खूबसूरत जगहों पर घूमने जा सकते हैं।

कर्क राशि- आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आज आपकी नए लोगों से मुलाकात होगी। आज आपके प्रयासों से सफलता मिलेगी। आपके लिए अचानक धन लाभ की संभावना बनेगी। कार्यक्षेत्र में आपके काम को देखते हुए अच्छी पदोन्नति मिलेगी। आप अपने काम के कारण काफी व्यस्त रहेंगे और परिवार को समय कम दे पाएंगे।

सिंह राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज आपको अपने कार्यक्षेत्र के सकारात्मक माहौल में काम करने को मिलेगा। कलीग्स के साथ आपके रिश्ते अच्छे रहेंगे। आज आप नया काम शुरू करेंगे। जिसमें आपको अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आज आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आप दूसरों की मदद करने की हर संभव कोशिश करेंगे। आपकी किसी पारिवारिक समस्या का निवारण होने से आपको बहुत सुकून मिलेगा।

कन्या राशि- आज आपका दिन आनंद से भरा रहेगा। आपको आज खुशखबरी मिलेगी, जिससे आपके चेहरे पर पूरे दिन मुस्कान बनी रहेगी। नौकरी में प्रमोशन की आपकी प्रतीक्षा समाप्त होगी। नई पोस्ट पर काम का दबाव बढ़ेगा। आप पूरी सावधानी से काम करेंगे। आज आप घर परिवार की समस्याओं को सुलझाने में कामयाब रहेंगे। आपके लिए आर्थिक लाभ की स्थिति बनेगी। किसी कार्य योजना के कारण आपको दूर की यात्रा करनी पड़ेंगी। आज आपके घर के सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला राशि- आपके लिए आज का दिन उत्तम रहेगा। अनेक साधनों से आर्थिक लाभ होने के संभावना है। संतान की ओर से सुखद समाचार की प्राप्ति होगी। नौकरी में सफलता के योग हैं। आपकी सैलरी बढ़ सकती है। जमीन जायदाद के मामलों में कुछ समस्या आएगी, लेकिन कोर्ट कचहरी में आपको सफलता मिलेगी।

वृश्चिक राशि- आज आपका दिन खास रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी काबिलीयत दिखाने का मौका मिलेगा। नौकरी में काम का बोझ बढ़ सकता है, जिससे आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे। लेकिन आप कार्यक्षेत्र और घर को अच्छी तरह तालमेल बनाकर रखेंगे। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा। संतान को लेकर उलझने दूर होगी।

धनु राशि- आज आपका दिन मंगलमय रहेगा। आपको अपनी नौकरी में उत्तम परिणाम देखने को मिलेंगे। आपके लिए परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। कार्यस्थल पर विरोधी कुछ मुश्किलें खड़ी करेंगे, लेकिन आप अपने काम पर फोकस करेंगे। आपकी एकाग्रता आपको सफलता दिलाएगी। आपकी बचत योजनाएं कामयाब रहेंगी। आपको निवेश करने का सुनहरा मौका मिलेगा। आप सपरिवार किसी धार्मिक स्थान पर घूमने जा सकते हैं।

मकर राशि- आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको दोस्तों के साथ समय बिताने के अनेक मौके मिलेंगे। रिश्तेदारों के साथ छोटी मोटी यात्रा हो सकती हैं, आपकी यात्रा सुखद रहेगी। पारिवारिक रिश्तों में आपसी प्रेम बढ़ेगा। किसी पुराने विवाद को लेकर न्यायालय का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। नौकरी में प्रमोशन के योग बन रहे हैं।

कुंभ राशि- आज आपका दिन रोज से बेहतर रहेगा। आप अपनी नौकरी बदलने का प्रयास करेंगे, इसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है। आपकी सैलरी में वृद्धि होगी। आपकी आर्थिक स्थिति में संतुलन बना रहेगा। आपको किसी पारिवारिक समारोह में शामिल होने का मौका मिलेगा। आपके पारिवारिक जीवन में सुख शांति रहेगी। आप अपने जीवनसाथी के साथ घर की जिम्मेदारियों को पूरा करने में सफल रहेंगे। व्यापार में उन्नति की संभावना है।

मीन राशि- आज आपका दिन फायदेमंद रहेगा। पारिवारिक जीवन में खुशियां देखने को मिलेंगी। बहुत समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आप अपने मित्रों के साथ आनंदपूर्वक दिन बिताएंगे। आज आपका दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा। आज आप जीवनसाथी के साथ खरीदारी करने में व्यस्त रहेंगे। घर में धार्मिक फंक्शन होने की संभावना है। कुछ लोग साझेदारी में व्यापार शुरू करेंगे।

धर्मनिरपेक्षता देश की रक्त प्रवाहिका। विभिन्न धार्मिक संस्थाएं भारत की संपदा।

संजीव ठाकुर

धर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण एवं शाश्वत सिद्धांत है। धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व है। जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित हैद्य धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव है। इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है। इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग है। भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना है। पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता मैं पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैं। धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है।

भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है।इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है। प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई है। भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान है। भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करें। भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती हैद्य धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता हैद्य भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता है। हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों,मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करें। आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास था। स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था,और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति को समानता स्वतंत्रता व न्याय जैसे मानव अधिकार प्राप्त हैं। और इन अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता को माना गया है, इसके अभाव में राज्य में समानता व धर्म निरपेक्षता की स्थापना नहीं की जा सकती है।

भारत की सबसे बड़ी विशेषता विविधता में एकता ही रही है, विविधता में एकता का मूल मंत्र ही धर्मनिरपेक्षता का है। भारत में अल्पसंख्यक भी इसी देश के निवासी हैं और इनको विश्वास दिलाने तथा इनकी रक्षा करने का मार्ग प्रशस्त धर्मनिरपेक्षता के अस्त्र के रूप में किया गया है। भारत देश निरंतर विकास के सोपान की तरफ अग्रसर है और एक वैश्विक महाशक्ति बनने की दिशा में प्रशस्त भी है। इन परिस्थितियों में विश्व के समक्ष धर्मनिरपेक्ष था की एकता का आदर्श स्थापित करने की परम आवश्यकता है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना के 42 वें संशोधन 1976 के अंतर्गत पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़ा गया है, जिसका मतलब राज्य सभी मतों को समान रूप से रक्षा करेगा एवं स्वयं भी किसी मत को राज्य के धर्म के रूप में नहीं अपनाएगा। भारत का संविधान हमें विश्वास दिलाता है कि उसके साथ धर्म के आधार पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगाद्य भारत का संविधान पूर्ण रूप से भारतीय जनमानस की व्यक्तिगत, जातिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने के लिए ही निर्मित किया गया है। न्यायपालिका तथा कार्यपालिका इस हेतु संपूर्ण रुप से प्रतिबद्ध भी हैं। किंतु भारतीय संदर्भ में सबसे बड़ी विडंबना यह है कि राजनीतिक दलों पर लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करने की जिम्मेदारी है।

वही लोग अपने स्वार्थ पर राजनीति के लिए मुद्दों को चुनावी हथियार बनाते हैं जिसका शिकार आम जनता को होना पड़ता है । इसके कारण समाज का माहौल बिगड़ जाता है। यह संपूर्ण रूप से एक चिंता का विषय है। भारत में स्वतंत्रता के बाद से लोकतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत बड़े ही मजबूत रहे हैं और इसकी स्वस्थ परंपरा भी भारत देश में रही है। इसे हमेशा मजबूत एवं शाश्वत बनाने की आवश्यकता वर्तमान में प्रतीत होती है।

K K

राष्ट्रीय समाचार

मंगलवार 04 मार्च 2025 ,नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

लखनऊ : नाबालिग से जबरदस्ती की कोशिश, अभियुक्त के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश की राजधानी स्थित मलिहाबाद में एक मामला सामने आया है। यहां एक युवक नाबालिग लड़की के घर में गया और उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की। लड़की ने विरोध किया। तभी युवती के माता-पिता वहां आ पहुंचे। डर से युवती ने खुद को आग के हवाले कर दिया, जिसका इलाज चल रहा है।

पुलिस ने बताया कि तहरीर के आधार पर पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अभियुक्त को हिरासत में लिया गया है। पुलिस उपायुक्त पश्चिमी के विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि थाना मलिहाबाद के ग्राम कासौनी कला में एक लिखित सूचना दी गई, जिसमें उसके परिजनों ने बताया कि उनकी बेटी घर पर अकेली थी। तभी पड़ोस के रहने वाले युवक ने उसका मुंह दबाया और उसे जमीन पर गिरा दिया। परिजनों के देखने पर वह युवक वहां से कूदकर भाग गया।

माता-पिता के भय से पीड़िता ने खुद को आग लगा ली, जिसका इलाज लखनऊ जिला अस्पताल में चल रहा है। स्थिति अभी स्थिर बनी हुई है। संबंधित धाराओं में अभियुक्त के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर उसे गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

पूरा मामला उत्तर प्रदेश के मलिहाबाद थाना क्षेत्र का है। यहां 23 वर्षीय युवक राहुल अचानक नाबालिग युवती के घर आ गया। घर में युवती के अलावा कोई नहीं था। आरोपी राहुल नाबालिग के साथ जबरदस्ती करने की कोशिश करने लगा। तभी लड़की के परिजनों ने उसे देख लिया, जिसके बाद राहुल भाग गया। पीड़िता अपने माता-पिता से इतना डर गई कि उसने आग लगा ली और गंभीर रूप से झुलस गई, जिसका इलाज सिविल अस्पताल हजरतगंज में हो रहा है।

तहरीर के आधार पर थाना मलिहाबाद में 56/2025 धारा 333/74/107/62 बीएनएस व 7/8 पॉक्सो एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर, आरोपी राहुल को पुलिस हिरासत में लेकर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

तमिलनाडु : नीट अभ्यर्थी की संदिग्ध मौत, पिता का दावा 'परीक्षा को लेकर तनाव में थी बेटी इसलिए दी जान'

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के तिंडीवनम की 19 वर्षीय युवती ने आगामी नीट परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने के डर से कथित तौर पर आत्महत्या कर ली।

टिंडीवनम के पास थडापपुरम गांव की रहने वाली युवती ने उसी गांव के सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल से अच्छे अंकों के साथ 12वीं की पढ़ाई पूरी की थी। उसने पुडुचेरी के एक निजी संस्थान से नीट की कोचिंग भी ली थी और पिछले साल 350 अंक हासिल करके परीक्षा दी थी, लेकिन दुर्भाग्य से वह सफल नहीं हो पाई।

इस साल वह फिर से परीक्षा की तैयारी कर रही थी और हाल ही में उसने अपना ओबीसी प्रमाण पत्र बनवाया था, जिसे उसने परीक्षा के लिए आवेदन के साथ जमा किया था। जिस दिन उसने यह जानलेवा कदम उठाया, उस दिन उसके माता-पिता और भाई खेती के काम के लिए खेतों में गए थे और वह अकेली रह गई थी।

शाम को जब वे वापस लौटे, तो उन्होंने देखा कि युवती पंखे से लटकी हुई थी। परिवार सदमे में था और समझ नहीं पा रहा था कि क्या करें। पास के वेलीमेडु पेट्टई थाने की पुलिस को सूचना दी गई और वे रात करीब 11 बजे घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए विल्लुपुरम सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। फिलहाल छात्रा की मौत की जांच चल रही है। तिंडीवनम पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच में जुटी हुई है।

मृत लड़की के पिता ने कहा कि वे सकते में थे। घर लौटने पर हमें पता चला कि हमारी बेटी ने आत्महत्या कर ली है। उसने नीट परीक्षा के डर से आत्महत्या की है।

एमआईटी के जोनाथन फ्लेमिंग ने नमो ड्रोन दीदियों से की मुलाकात, बोले दूसरे देश की महिलाएं लें प्रेरणा

नई दिल्ली (आरएनएस)। अमेरिका में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) स्लोन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के सीनियर लेक्चरर, प्रोफेसर जोनाथन फ्लेमिंग ने हाल ही में कहा कि भारत महिला सशक्तीकरण के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है, जो न केवल देश के ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के लिए बल्कि अन्य देशों की महिलाओं के लिए भी प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि दूसरी महिलाएं भी इस कॉन्सेप्ट से सीख सकती हैं।

नई दिल्ली में आईसीएआर पूसा कैंपस में नमो ड्रोन दीदियों से बातचीत करते हुए उन्होंने महिला सशक्तीकरण में सरकार के प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना की।

प्रोफेसर फ्लेमिंग भारत में लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से महिलाओं को मिल रही ट्रेनिंग के तरीकों और लाभों से प्रभावित हुए।

ड्रोन दीदियों ने विजिटिंग प्रोफेसर को ड्रोन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने में उन्हें सक्षम बनाने और ड्रोन दीदियां बनने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए सरकार के प्रयासों के बारे में बताया।

प्रोफेसर फ्लेमिंग के साथ बातचीत करते हुए, दीदियों ने बताया कि ड्रोन का इस्तेमाल कर उन्हें घनी फसलों में उर्वरक और कीटनाशकों का छिड़काव करने में मदद मिल रही है, खासकर ऐसे क्षेत्रों में जहां मैन्युअल छिड़काव एक बड़ी चुनौती रही है। उन्होंने कहा कि उन्हें ड्रोन दीदियां कहला जाने पर गर्व महसूस होता है, साथ ही इससे उनकी वित्तीय स्थिति में काफी सुधार हुआ है। जोनाथन ने आईआरएआई के ड्रोन रोबोटिक और मशीन लर्निंग सेंटर का भी दौरा किया, जहां उन्होंने संस्थान द्वारा विकसित अलग-अलग तरह के ड्रोन देखे और जाना कि कैसे टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से पारंपरिक खेती में बदलाव लाया जा रहा है।

बिना हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट वालों की अब खैर नहीं, 10 लाख नए वाहनों पर कसेगा शिकंजा

मुंबई (आरएनएस)। अनिवार्य उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (एचएसआरपी) के बिना पिछले पांच वर्षों में महाराष्ट्र में लगभग 10 लाख नए वाहन सड़कों पर चल रहे हैं। अधिकारियों ने इस बारे में जानकारी दी है। सरकार ने वाहन चोरी पर अंकुश लगाने और पहचान में एकरूपता लाने के लिए 1 अप्रैल, 2019 से पहले पंजीकृत वाहनों के लिए एचएसआरपी अनिवार्य कर दी है, जिससे ग्राहकों को वाहन सौंपने से पहले इसे स्थापित करने की जिम्मेदारी निर्माताओं पर डाल दी गई है।

अधिकारियों ने कहा कि एचएसआरपी की फिटिंग पर हाल ही में की गई एक आंतरिक समीक्षा से पता चला है कि 1.15 करोड़ पंजीकृत वाहनों में से 1.05 करोड़ में एचएसआरपी लगाई गई है, जबकि 9.98 लाख वाहन इसके बिना चल रहे हैं। महाराष्ट्र परिवहन आयुक्त कार्यालय को अप्रैल 2019 के बाद पंजीकृत लेकिन अभी भी एचएसआरपी के बिना चल रहे वाहनों के खिलाफ आरटीओ को एक विशेष अभियान शुरू करने का निर्देश देने के लिए प्रेरित किया गया है, जिसे आमतौर पर 'आईएनडी' या 'इंडिया' नंबर प्लेट के रूप में जाना जाता है। एचएसआरपी नियम कहता है कि दोपहिया और ट्रैक्टरों को छोड़कर, प्रत्येक वाहन में विंडशील्ड के अंदरूनी हिस्से पर पंजीकरण विवरण निर्दिष्ट करने वाला क्रोमियम-आधारित होलोग्राम स्टिकर चिपका होना चाहिए।

पीएम मोदी का गुजरात दौरा: गिर में शेरों का किया दीदार

अहमदाबाद,,(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीन दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं, इस बीच उन्होंने वर्ल्ड वाइल्डलाइफ डे के अवसर पर सोमवार सुबह गिर नेशनल पार्क पहुंचे, जहां उन्होंने एशियाटिक शेरों को नजदीक से देखा। उनके गिर पहुंचते ही वहां मौजूद लोगों ने मोदी-मोदी के नारे लगाए। पीएम मोदी ने रात्रि विश्राम सासण में किया था।

इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। इससे पहले वे जामनगर स्थित वनतारा पशु बचाव और पुनर्वास केंद्र भी गए थे। वनतारा केंद्र की देखरेख मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी द्वारा की जाती है।

शनिवार रात 8 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जामनगर पहुंचे थे, जहां एयरपोर्ट से पायलट हाउस तक लगभग 5 किलोमीटर लंबा भव्य रोड शो किया गया था। इसके बाद उन्होंने जामनगर के पायलट हाउस में रात्रि विश्राम किया था।

हाईटेक मार्केट का उद्घाटन

गुजरात दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी सोमनाथ पहुंचे, जहां उन्होंने प्रथम ज्योतिर्लिंग की पूजा-अर्चना की। इसके बाद 27 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए गए हाईटेक मार्केट का उद्घाटन किया।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की ऑस्ट्रेलिया यात्रा, रक्षा सहयोग पर होगी बात

नई दिल्ली (आरएनएस)। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। उनकी यह यात्रा 4 मार्च से शुरू होगी और 7 मार्च तक जारी रहेगी। इस दौरान वह ऑस्ट्रेलिया में रहेंगे और वहां वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि जनरल अनिल चौहान की यह यात्रा रक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच गहरे होते संबंधों को दर्शाती है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार जनरल अनिल चौहान ऑस्ट्रेलिया के रक्षा बल के प्रमुख जनरल एडमिरल डेविड जॉन्सटन से मुलाकात करेंगे। जनरल अनिल चौहान यहां ऑस्ट्रेलियाई रक्षा सचिव ग्रेग मोरियार्टी से भी संवाद करेंगे। इनके अलावा तीनों सेनाओं के प्रमुख जनरल अनिल चौहान के साथ बैठक में शामिल होंगे।

अपनी ऑस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान सीडीएस, जनरल अनिल चौहान ऑस्ट्रेलियाई रक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मिलेंगे। वह यहां ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल के सैन्य नेतृत्व के साथ व्यापक चर्चा में शामिल होंगे। जनरल अनिल चौहान ऑस्ट्रेलिया की परिचालन कमांड संरचना की जानकारी हासिल करने और संयुक्त अभियानों की संभावित पहल पर चर्चा करने के लिए फोर्स कमांड मुख्यालय का दौरा करेंगे।

जनरल चौहान ऑस्ट्रेलियाई फ्लीट कमांडर और ज्वाइंट ऑपरेशंस कमांडर से भी बातचीत करेंगे। पेशेवर सैन्य प्रशिक्षण और सैन्य शिक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने के लिए, सीडीएस प्रतिष्ठित ऑस्ट्रेलियाई रक्षा कॉलेज का दौरा भी करने वाले हैं। यहां वह भारत-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक चुनौतियों पर वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करेंगे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में चार गिरफ्तार

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी देने के मामले में जयपुर पुलिस ने चार आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया है।

आरोपी पहले दौसा जेल में बंद थे, जिन्हें विधायकपुरी थाना पुलिस ने हिरासत में लेकर शनिवार को अदालत में पेश किया, जिसके बाद उन्हें दो दिन के रिमांड पर लिया गया।

थाना प्रभारी बनवारी लाल मीना के अनुसार गिरफ्तार रिंकू उर्फ रंडवा (28) निवासी हरसौरा अलवर, शहजाद खान उर्फ साजिद (28) निवासी उन्नाव, उत्तर प्रदेश, वर्तमान में संजय नगर-ई, झोटवाड़ा में रहते हैं। इसी प्रकार जयनारायण (32) और राकेश जोशी (45) सदर दौसा के निवासी हैं। रिंकू और शहजाद खान उर्फ साजिद पहले से ही पॉक्सो एक्ट के तहत दौसा जेल में बंद थे।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा की.

बीकानेर में भीषण सड़क हादसा : तेज़ रफ्तार स्कॉर्पियो ने ली चार युवकों की जान

बीकानेर (आरएनएस)। बीकानेर में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। शनिवार देर रात नाल थाना इलाके में एनएच-11 (जैसलमेर रोड) पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार चारों युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद स्कॉर्पियो ड्राइवर मौके से फरार हो गया।शादी समारोह से लौट रहे थे युवकनाल एसएचओ विकास विश्नोई के अनुसार, मृतकों की पहचान ओमप्रकाश (29) पुत्र गंगाराम, राहुल (25) पुत्र चोरूराम, कोजुराम उर्फ श्यामलाल (18) पुत्र बिरजूराम और गोरधन (30) पुत्र चोरूराम के रूप में हुई है। ये सभी किसी शादी समारोह से काम निपटाकर अपने गांव नाल लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी।तीन की मौके पर ही मौत, एक ने अस्पताल में तोड़ा दमहादसा इतना भयानक था कि तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक को गंभीर हालत में बीकानेर के PBM अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

पंजाब में नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली (आरएनएस)। पंजाब की मुख्यमंत्री भगवंत मान ने दावा किया कि राज्य में नशे और नशा तस्करी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी और नशा का कारोबार करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मान के इस दावे का आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने समर्थन किया है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, पंजाब में नशे के खिलाफ हमारी सरकार ने महायुद्ध छेड़ दिया है। नशे ने हमारे युवाओं और बच्चों को बड़ी संख्या में बर्बाद कर दिया। नशा बेचने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पंजाब से नशे को हमेशा के लिए खत्म किया जाएगा।

दरअसल, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में दावा किया कि किसी भी स्थिति में नशे को पंजाब से समाप्त करने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे। इस अभियान में पुलिस, स्थानीय प्रशासन और अन्य सरकारी विभागों का सहयोग लिया जा रहा है।

इसी कड़ी में मंत्री और उच्च प्रशासनिक अधिकारी लगातार मुख्यमंत्री के साथ बैठकें कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक मुख्यमंत्री मान ने

अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे नशे के खिलाफ अपनी कार्रवाई को तेज करें और इसे जड़ से खत्म करने के लिए ठोस कदम उठाएं।

पंजाब सरकार ने नशे के खिलाफ अपनी मुहिम को और तेज करते हुए शनिवार को वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा के नेतृत्व में पांच मंत्रियों की बनी सब कमेटी की पहली बैठक आयोजित की। इस बैठक में नशे से जुड़ी सभी गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, तरुणप्रीत सिंह सोंध, डॉ बलबीर सिंह और लालजीत सिंह भुल्लर भी मौजूद थे। इसमें पंजाब के डीजीपी गौरव यादव और राज्य के मुख्य सचिव केएपी सिन्हा भी शामिल हुए। सभी ने नशे के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान को लेकर मंथन किया। मंत्रियों को कुछ जिले सुपुर्द किए गए हैं।

मंत्री हरपाल चीमा को पठानकोट, गुरदासपुर, नवांशहर, रोपड़, तरनतारन और होशियारपुर जिलों का प्रभार सौंपा गया है। वहीं, कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा को लुधियाना, पटियाला, कपूरथला, मोहाली, अमृतसर और जालंधर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है।

मंत्री तरुणप्रीत सोंध को संगरूर, बरनाला, बठिंडा, फतेहगढ़ साहिब, मोगा और मलेरकोटला जिलों की निगरानी सौंपी गई है। वहीं, मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को फरीदकोट, मुक्तसर, मानसा, फाजिल्का और फिरोजपुर जिलों की जिम्मेदारी दी गई है।स्वास्थ्य मंत्री डॉ बलबीर सिंह को पूरे पंजाब का हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थ डिपार्टमेंट की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रशासनिक कामकाज की समीक्षा करेंगे और नशे की समस्या से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए कदम उठाएंगे।

नीतीश ओल्ड मॉडल हो चुके, बिहार को अब न्यू मॉडल चाहिए : तेजस्वी यादव

पटना ,(आरएनएस)। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि बिहार अब विकास चाहता है। बिहार के लोग बिहार को विकसित देखना चाहते हैं। बिहार में सरकार नाम की चीज नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब ओल्ड मॉडल हो चुके हैं और बिहार को अब न्यू मॉडल चाहिए।

दरअसल, सोमवार को बिहार विधानसभा में 2025-26 का बजट पेश होना है, इससे पहले विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 20 साल बिहार में एनडीए की सरकार है, इसके बाद डबल इंजन की सरकार भी रही, लेकिन आज भी बिहार प्रति व्यक्ति आय, किसानों की आय, निवेश में सबसे पीछे है।

उन्होंने कहा, नीतीश कुमार का यह आखिरी बजट होगा। उससे पहले बजट में कल आप महिलाओं के लिए कुछ अच्छा ऐलान कर दीजिए। भले ही मेरी योजना को कॉपी कर लीजिए, लेकिन महिलाओं को 2500 रुपए हर महीने दीजिए। बजट में प्रति महीना 200 यूनिट बिजली मुफ्त कर दीजिए, क्योंकि स्मार्ट मीटर से बिहार के लोग परेशान हैं। बिहार की महिलाएं महंगाई से परेशान हैं, गैस सिलेंडर 500 रुपये में उपलब्ध कराइए।

उन्होंने कहा कि इसके अलावा जातीय गणना के दौरान 94 लाख ऐसे लोगों की पहचान की गई है जिनकी आय 6,000 रुपये से कम है। उन्हें दो लाख रुपये देकर आर्थिक न्याय देने की बात कही गई थी। इस बजट में उसका प्रावधान कर दिया जाए।

3 बच्चों के बाप ने खुद को सिंगल बता रचाई शादी, राज खुला तो मच गया बवाल

बांका(आरएनएस)। बिहार के बांका जिले के शंभूगंज थाना क्षेत्र के किरणपुर गांव से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने खुद को अविवाहित बताकर एक युवती से शादी कर ली। मामला तब उजागर हुआ जब युवती को पति के पहले से शादीशुदा होने और तीन बच्चों का पिता होने की जानकारी मिली। इस धोखे के खुलासे के बाद पीड़ित युवती ने थाने में न्याय की गुहार लगाई है।यह घटना किरणपुर गांव की है, जहां राजेश कुमार नामक व्यक्ति पर रिमझिम कुमारी नामक युवती को धोखा देने का आरोप लगा है। रिमझिम कुमारी, जो भागलपुर जिले के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के कटहरा गांव की रहने वाली हैं, ने शंभूगंज थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। अपनी शिकायत में रिमझिम ने बताया कि राजेश कुमार ने शादी के समय खुद को कुंवारा बताया था। जबकि सच्चाई यह है कि राजेश की शादी सात साल पहले मुंगेर जिले के रतनपुर गांव की ममता कुमारी से हिंदू रीति-रिवाज से हो चुकी थी। उससे राजेश को दो बेटे और एक बेटी भी हैं। रिमझिम के अनुसार, राजेश ने इस बात को छिपाकर उसे प्रेम जाल में फंसाया और शादी कर ली। दोनों पिछले दो सालों से घर से बाहर रह रहे थे।

वक्फ संशोधन बिल का विरोध करने वाले मुसलमानों के दुश्मन - ओपी राजभर

वाराणसी ,(आरएनएस)। यूपी की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने वक्फ बिल में किए गए संशोधन को लेकर अपनी प्रतिक्रिया जाहिर की। उन्होंने कहा कि जो मुसलमान समाज के मजबूत सदस्य हैं, वह कमजोर मुसलमानों को वक्फ बोर्ड की जमीन पर कब्जा नहीं करने देते। यह स्थिति समाज में असंतोष और छटपटाहट का कारण बन रही है।

राजभर ने स्पष्ट किया कि सरकार की मंशा यह है कि गरीब मुसलमानों, विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं को वक्फ बोर्ड की जमीनों का लाभ मिल सके, जो पहले कुछ ताकतवर लोग ही अपने हाथ में रखते थे।

वक्फ संशोधन बिल को लेकर जारी विरोध के बारे में पूछे जाने पर राजभर ने कहा कि विरोध करने वाले लोग खुद मुसलमानों के दुश्मन हैं। जो लोग वक्फ बोर्ड की जमीनों पर कब्जा करते हैं और उसे बेचकर धन उगाहते हैं, वही लोग इस संशोधन का विरोध कर रहे हैं। अगर गरीब मुसलमानों को वक्फ बोर्ड की जमीन का लाभ मिलता है, तो इसमें बुरा क्या है? सरकार का प्रयास है कि इन जमीनों

का सही तरीके से वितरण किया जाए और इससे समाज के वंचित वर्ग को लाभ हो।

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सवाल किए जाने पर राजभर ने कहा कि उनकी पार्टी 29 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है और इसके लिए पार्टी ने जमीनी स्तर पर संगठन खड़ा किया है। उनकी पार्टी ने इन सीटों पर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया है।

हिमाचल सरकार की ओर से मठ-मंदिरों से मदद मांगने को लेकर सवाल किए जाने पर राजभर ने कहा कि आपदा के समय सभी क्षेत्रों से मदद होनी चाहिए। हर किसी को अपनी भूमिका निभानी चाहिए और मदद करने के लिए किसी विशेष क्षेत्र या धर्म का पक्ष नहीं लेना चाहिए।

विपक्ष के महाकुंभ के आंकड़ों पर सवालों को लेकर ओपी राजभर ने कहा कि विपक्ष का काम सवाल करना है, जबकि सरकार का काम अपनी योजनाओं और कार्यों को प्रभावी ढंग से लागू करना है। उन्होंने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि सरकार को काम करने का मौका दिया जाना चाहिए।दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा सीएजी रिपोर्ट पर सवाल उठाए जाने पर राजभर ने कहा कि जब जांच की रिपोर्ट आएगी, तो जो दोषी होंगे, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उस पर कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को सजा दी जाएगी।

साड़ी पहन प्रज्ञा जैसवाल ने कैमरे के सामने दिखाई दिलकश अदाएं, एक्ट्रेस की हॉटनेस देख नजरें नहीं हटा पा रहे फैंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल हमेशा अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से फैंस के बीच लाइमलाइट लूट लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है।इन फोटोज में आप देख सकते हैं प्रज्ञा जैसवाल ने फोटोशूट के दौरान ग्लास नेक लुक में ब्लाऊज और गोल्डन कलर की सिंपल साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक स्टनिंग पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं।गले में नेकलेस, माथे पर छोटी सी काली कलर की बिंदी, कानों में इयररिंग्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके इस लुक को देखकर फैंस की नजरें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है। इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस अपने हर आउटफिट में बवाल काटती है।

त्रिशा कृष्णन ने गुड बैड अग्ली में राम्या की भूमिका निभाने तैयार

अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन, जो 'पोन्नियिन सेल्वन', 'लियो', '96' और अन्य फिल्मों के लिए जानी जाती हैं, आगामी फिल्म 'गुड बैड अग्ली' में राम्या की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं।

फिल्म के निर्माताओं ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर अपने फॉलोअर्स के साथ यह खबर साझा की।

'गुड बैड अग्ली' एक एक्शन कॉमेडी फिल्म है, जिसका निर्देशन आदिक रविचंद्रन ने किया है और इसका निर्माण मैथ्री मूवी मेकर्स और टी-सीरीज फिल्म्स ने किया है।

इस फिल्म में अजित कुमार, प्रभु, प्रसन्ना, अर्जुन दास, सुनील, राहुल देव, योगी बाबू और शाइन टॉम चाको भी हैं। फिल्म की घोषणा 2023 के अंत में वर्किंग टाइटल एके63 के तहत की गई थी, क्योंकि यह अजित की मुख्य अभिनेता के रूप में 63वीं फिल्म है, और आधिकारिक शीर्षक की घोषणा मार्च 2024 में की गई थी।

मुख्य फोटोग्राफी अगले मई में हैदराबाद में शुरू हुई,

साथ ही स्पेन में छिटपुट कार्यक्रम भी हुए, और दिसंबर की शुरुआत में इसे पूरा किया गया। फिल्म का संगीत जी. वी. प्रकाश कुमार ने तैयार किया है।

इससे पहले, अभिनेत्री ने साझा किया था कि 'बृंदा' के बारे में उन्हें क्या दिलचस्पी थी, जो उनकी ओटीटी सीरीज़ की शुरुआत थी।बृंदा में वह एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभा रही हैं, जो उनके लिए पहली बार है। उन्होंने बताया कि उन्होंने फ्लाइट में स्क्रिप्ट के पन्नों को खंगाला।

इस सीरीज में इंद्रजीत सुकुमारन, जया प्रकाश, आमानी, रवींद्र विजय, आनंद सामी, राकेन्दु मौली और अन्य भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं, जिसमें ड्रामा, अपराध और रहस्य के तत्वों को एक साथ पिरोया गया है, जो एक मनोरंजक देखने का अनुभव प्रदान करता है।इस सीरीज की पटकथा सूर्या मनोज वंगाला और पद्मावती मल्लाडी ने लिखी है, जिसका संगीत शक्तिकांत कार्तिक ने दिया है और प्रोडक्शन डिजाइनर अविनाश कोल्ला हैं।

अजित कुमार की फिल्म विदामुयार्ची आज नेटफ्लिक्स पर देगी दस्तक, हिंदी भाषा में होगी उपलब्ध

अभिनेता अजीत कुमार की फिल्म 'विदामुयार्ची' की ओटीटी रिलीज तारीख की घोषणा हो चुकी है। इस फिल्म का इंतजार लोगों को बहुत बेसब्री से था। अगले महीने इस फिल्म को ओटीटी पर रिलीज कर दिया जाएगा। फरवरी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म की बहुत तारीफें हो रही थी। आइए जानते हैं कि किस तारीख को आप इसे देख सकते हैं।

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'विदामुयार्ची' की ओटीटी रिलीज तारीख की घोषणा नेटफ्लिक्स ने अपने इंस्टाग्राम पर कर दिया है। इस फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर 3 मार्च से देख सकेंगे, जो तमिल, कन्नड़, मलायालम और हिंदी भाषा में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के पोस्टर को शेयर करते हुए नेटफ्लिक्स ने कैप्शन में लिखा, कोई ब्रेक नहीं। कोई सीमा नहीं। बस विदामुयार्ची।कहानी की बात करें तो यह फिल्म शादीशुदा कपल अर्जुन और कायल के आस-पास घूमती है। दोनों की शादी टूटने की कगार पर है। दोनों अलग होने से पहले एक आखिरी यात्रा पर जाने का निर्णय लेते हैं, लेकिन उनकी यात्रा एक खतरनाक मोड़ पर उस समय आ जाती है, जब उनकी कार अजरबैजान के एक सुनसान इलाके में खराब हो जाती है। इस दौरान कायल रहस्यमय तरीके से गायब हो जाती है और अर्जुन उन्हें खोजने के लिए निकल पड़ता है। इस यात्रा के दौरान वह कई चौंकाने वाली घटनाओं का सामना करता है। यह फिल्म जॉनाथन मोस्टोव की ब्रेकडाउन से प्रेरित बताई जा रही है।

फिल्म के कलाकारों के बारे में बात करें तो, इसमें अजित कुमार के साथ-साथ अर्जुन सरजा, रेजिना कासांद्र, और आरव जैसी प्रमुख हस्तियां भी शामिल हैं। ओम प्रकाश ने फिल्म का छायांकन किया है। वहीं, एन बी श्रीकांत ने फिल्म का संपादन और अनिरुद्ध रविचंदर ने इसमें अपना संगीत दिया है।

फिर साथ आए ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल, जिंदगी ना मिलेगी दोबारा 2 को लेकर अटकलें तेज

ऋतिक रोशन, फरहान अख्तर और अभय देओल अभिनीत जिंदगी ना मिलेगी दोबारा अपनी रिलीज के 13 साल बाद भी प्रशंसकों की पसंदीदा बनी हुई है। जबकि दर्शक जिंदगी ना मिलेगी दोबारा के सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं, इस बीच अब ऋतिक, फरहान और अभय हाल ही में फिर से साथ आए, लेकिन दुख की बात है कि सीक्वल के लिए नहीं।

ऋतिक, फरहान और अभय यास आइलैंड के साथ एक विशेष सहयोग के लिए फिर से साथ आए। तीनों ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक तस्वीर साझा की और एक संयुक्त पोस्ट में लिखा, समय लगा, लेकिन आखिरकार हमने यस कहा- जिंदगी को यस बोल। प्रशंसकों ने इस पोस्ट पर उत्साह के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की, हालांकि कई लोगों ने अनुमान लगाया कि यह सहयोग किसी विज्ञापन के लिए था।इस साल की शुरुआत में फरहान ने ऋतिक और अभय के साथ एक रेस्तरां में बैठे हुए एक वीडियो शेयर किया था। वीडियो में अभय को एक किताब को घूरते हुए देखा गया था। ऋतिक ने भी उसी किताब को देखते हुए कहा, अविश्वसनीय, जबकि फरहान ने कहा, शानदार।

छावा की दहाड़ से गूंजा बॉक्स ऑफिस, विक्की कौशल की फिल्म 600 करोड़ से बस इतने कदम दूर

विक्की कौशल की छावा को थिएटर में रिलीज हुए 15 दिन हो चुके हैं लेकिन दिन ब दिन छावा की गूंज बढ़ती ही जा रही है. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई करते हुए कई ब्रेक कर चुकी है. वहीं तीसरे शनिवार को फिल्म ने 69.23त्न की ग्रोथ दर्ज की. यानि फिल्म के लिए तीसरा सैटरडे भी सुपरहिट रहा. आइए जानते हैं फिल्म की 16वें दिन की कमाई.

विक्की कौशल, रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना स्टारर छावा वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज हुई थी. जिसके बाद फिल्म ने तीन दिन में ही 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था और अब तक फिल्म दुनियाभर में 500 करोड़ से ज्यादा कमाई कर चुकी है. मीडिया ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, 16वें दिन फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 69.23त्न ग्रोथ के साथ 22.5 (लगभग) की कमाई की है.

टाइगर श्रॉफ बर्थडे पर फैंस को दिया तोहफा, बागी 4 का खूंखार पोस्टर रिलीज, खून से लथपथ दिखे बर्थडे

बॉलीवुड एक्टर टाइगर श्रॉफ के 35वें जन्मदिन के मौके पर मोस्ट अवेटेड एक्शन थ्रिलर बागी 4 के मेकर्स ने शानदार तोहफा देते हुए एक नया पोस्टर शेयर किया है. इससे पहले मेकर्स टाइगर और संजय दत्त के पोस्टर शेयर कर चुके हैं जिन्हें देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि फिल्म में काफी खून खराबा दिखने को मिलेगा. वहीं हाल ही में रिलीज किया गया पोस्टर भी कुछ ऐसा ही है.पहले पोस्टर की तरह ही इस पोस्टर में भी टाइगर खूंखार लग रहे हैं जो खून से लथपथ है. पोस्टर में उनका आधा चेहरा ही दिखाई दे रहा है लेकिन वे देखने में काफी खौफनाक लग रहे हैं.

इस पोस्टर में भी उनके किरदार रॉनी को एक इंटेंस और खूनी अवतार में दिखाया गया है. फिल्म के प्रोडक्शन हाउस, नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट ने इंस्टाग्राम पर बागी 4 का पोस्टर रिलीज करते हुए कैप्शन में लिखा, हैप्पी बर्थडे टाइगर श्रॉफ आपको एक्शन से भरपूर साल की शुभकामनाएं, रॉनी.पोस्टर में टाइगर सिगरेट पीते हुए कैमरे की तरफ एक इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं, उनके सिर से खून बहता हुआ उनके चेहरे पर दिख रहा है. इस पोस्टर पर लिखा है, इस बार वो पहले जैसा नहीं हैं. टाइगर श्रॉफ ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर बागी 4 का नया पोस्टर शेयर किया और लिखा, जिस फ्रैंचाइज ने मुझे एक पहचान दी और मुझे खुद को एक एक्शन हीरो के रूप में साबित करने का मौका दिया, अब वही फ्रैंचाइज मेरी पहचान बदल रही है.

फ्रिज को सही तरीके से व्यवस्थित करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

फ्रिज का सही तरीके से उपयोग करना हमारे रोजमर्रा के जीवन में बहुत अहम है। जब हम अपने फ्रिज को सही तरीके से व्यवस्थित करते हैं तो न केवल खाने की चीजें ताजा रहती हैं, बल्कि समय और ऊर्जा की भी बचत होती है।

इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी टिप्स देते हैं, जिनसे आप अपने७ फ्रिज को अधिकतम क्षमता के साथ उपयोग कर सकते हैं।

समान वस्तुओं को एक साथ रखें

फ्रिज में समान प्रकार की चीजों को एक साथ रखना जरूरी है। जैसे सब्जियों को एक जगह पर रखें, डेयरी उत्पादों को दूसरी जगह पर और अंडे जैसी चीजों को अलग स्थान पर रखें।

इससे जरूरत पड़ने पर चीजें आसानी से मिल जाएंगी और आप अनावश्यक रूप से दरवाजा खोलकर समय बर्बाद नहीं करेंगे।

समान वस्तुएं एक साथ रखने से फ्रिज में जगह का सही उपयोग होता है और ठंडक भी बनी रहती है।

ऊपरी शेल्फ का सही उपयोग करें

फ्रिज की ऊपरी शेल्फ सबसे ठंडी होती है इसलिए यहां उन चीजों को रखना चाहिए जिन्हें जल्दी खराब होने का खतरा होता है, जैसे दूध और दही।

इसके अलावा यहां पेय पदार्थ भी रख सकते हैं ताकि वे ठंडे रहें। इस तरह आप अपनी खाने-पीने की चीजों का बेहतर प्रबंधन कर पाएंगे और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रख सकेंगे।

यह तरीका आपके फ्रिज की क्षमता का सही उपयोग करने में मदद करेगा।

निचली शेल्फ पर भारी सामान रखें

निचली शेल्फ पर भारी सामान रखना फ्रिज के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है।

यहां आप बड़े कंटेनर या जार रख सकते हैं जिनमें सॉस या अन्य तरल पदार्थ होते हैं। इससे फ्रिज साफ-सुथरा रहता है और गंदगी फैलने की संभावना भी कम होती है।

इसके अलावा इस हिस्से में भारी सामान रखने से फ्रिज के अन्य हिस्सों में हल्की वस्तुएं रखने के लिए अधिक जगह मिलती है।

दरवाजे के हिस्से में हल्की वस्तुएं रखें

फ्रिज के दरवाजे वाले हिस्से में हल्की वस्तुएं रखना चाहिए क्योंकि यह हिस्सा सबसे कम ठंडा होता है।

यहां मसाले, सॉस की बोतलें, या जूस जैसी हल्की चीजें रख सकते हैं, जो जल्दी खराब नहीं होतीं। इससे आपके मुख्य हिस्से में ज्यादा जगह बचेगी और सब कुछ व्यवस्थित रहेगा।

दरवाजे पर हल्की चीजें रखने से फ्रिज खोलते समय सामान गिरने का खतरा भी कम होता है, जिससे आपका फ्रिज साफ-सुथरा रहता है।

नियमित सफाई करें

फ्रिज की नियमित सफाई करना बेहद जरूरी है ताकि उसमें कोई बदबू न आए और खाने-पीने की चीजें ताजी बनी रहें।हर हफ्ते एक बार सभी सामान निकालकर फ्रिज को अच्छे से साफ करें। ध्यान दें कि जो भी सामान खराब हो चुका हो, उसे तुरंत फेंक दें। इससे आपका फ्रिज हमेशा स्वच्छ रहेगा और खाने-पीने की गुणवत्ता भी बनी रहेगी।

आईब्रो थ्रेडिंग के बाद जलन होने पर अपनाएं ये नुस्खा, मिल सकती है राहत

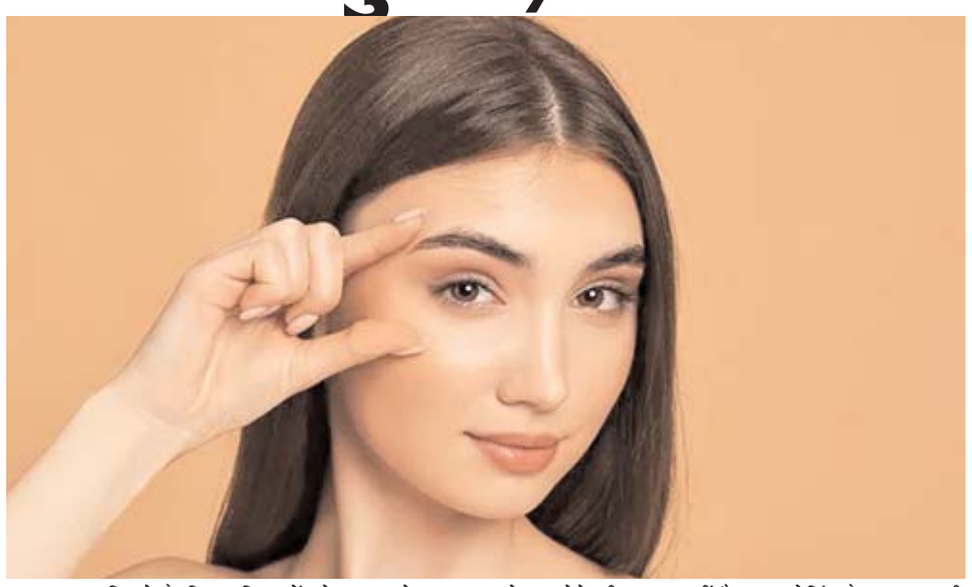

खूबसूरत दिखने के लिए महिलाओं को बहुत सारे ताम-झाम से गुजरना पड़ता है. कभी उन्हें हाथ-पैर में वैक्सिंग करवाते समय दर्द झेलना पड़ता है तो कभी आईब्रो थ्रेडिंग के बाद जलन सहनी पड़ती है. आजकल महिलाओं के अलावा कई सारे पुरुष भी आईब्रो सेट कराते हैं. इसको करवाने के बाद चेहरा काफी अलग और अच्छा दिखने लगता है. थ्रेडिंग कराने में दर्द तो होता ही है, लेकिन उसके बाद कई लोगों को जलन भी होती है. अगर आपको भी ये दिक्कत है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है. अगर थ्रेडिंग के बाद आपकी त्वचा लाल हो जाती है और उस पर जलन होने लगती है तो आपको कुछ नुस्खे अपनाने चाहिए. इनसे आपको काफी राहत मिलेगी. आइए जानते हैं इसके बारे में.

जलन होने पर एलोवेरा जेल लगाएं

आईब्रो थ्रेडिंग कराने के बाद अगर आपको जलन महसूस हो रही है तो आपको एलोवेरा जेल लगाना चाहिए. इससे त्वचा को ठंडक मिलेगी. एलोवेरा जेल को प्रभावित जगह पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद धो लें.

कॉटन बॉल से लगाएं गुलाब जल

अगर आपको जलन हो रही है तो आप गुलाब जल का इस्तेमाल करें. त्वचा को हाइड्रेटेड बनाता है. इसके इस्तेमाल के लिए कॉटन बॉल को गुलाब जल में भिगोकर आईब्रो के आसपास लगाएं और 10-15 मिनट तक छोड़ दें. इससे भी आपको तत्काल राहत मिलेगी.

शहद करेगा जलन कम

शहद में पाए जाने वाले एंटी-बैक्टीरियल और मॉइश्चराइजिंग गुण जलन को कम करते हैं. हल्की मात्रा में शुद्ध शहद लें और जलन वाली जगह पर लगाकर 15 मिनट बाद धो लें.

प्रभावित जगह पर रखें खीरे की स्लाइस

जलन कम करने के लिए आप प्रभावित जगह पर खीरे की स्लाइस रखें. इसे 5-10 मिनट तक रखें. इसके बाद हटा दें. खीरे की प्राकृतिक ठंडक आपको राहत पहुंचाएगी.

सूजन और जलन तुरंत कम करने के लिए लगाएं आइस क्यूब

बर्फ लगाने से त्वचा की सूजन और जलन तुरंत कम होती है. इसके लिए एक साफ कपड़े में बर्फ का टुकड़ा लपेटकर आईब्रो के आसपास हल्के-हल्के 2-3 मिनट तक घुमाएं. ध्यान रखें कि बर्फ को सीधा त्वचा पर न लगाएं.

बोर्ड परीक्षा केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें एसडीएम : कलेक्टर सोनिया मीना

-आईटीआई में छात्राओं के प्रवेश को बढ़ावा देने के लिए चलाऐं विशेष अभियान
-सीपीग्राम व सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का किया जाए त्वरित समाधान

नर्मदापुरम (निप्र) सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने विभागीय योजनाओं, जनसुनवाई एवं समय सीमा प्रकरणों, सीएम हैल्पलाईन आदि की समीक्षा की। कलेक्टर सुश्री मीना ने सीपीग्राम पोर्टल एवं सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज विभागीय शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र एवं संतुष्टि पूर्वक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबित शिकायतों का पूर्ण परीक्षण कर बिंदुवार प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों की संख्या अधिक होने पर उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदारों को प्राथमिकता से शिकायतों के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलवार सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर सभी तहसीलदारों को ए-ग्रेड लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने के लिए निर्देशित किया। बॉटम तीन तहसील सिवनी मालवा, माखननगर और बनखेड़ी को विशेष प्रयास करने की आवश्यकता बताते हुए कलेक्टर ने समस्त जिलाधिकारियों को अपनी विभागीय प्रगति स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री मीना ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए की समय सीमा की बैठक के दौरान रिव्यू की गई सभी शिकायतों का आगामी एक सप्ताह में संतुष्टि पूर्वक समाधान किया जाए साथ ही 30 दिन से लंबित शिकायतों पर भी संबंधित अधिकारी ध्यान दे। कलेक्टर ने ईई लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए की बी ग्रेड में आना पर्याप्त नहीं है विभाग की रैंकिंग सुधारने के लिए आवश्यक प्रयास

किए जाएं।

कलेक्टर सुश्री मीना ने जिले में संचालित बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए सभी एसडीएम को नियमित रूप से परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होनें कहा कि परीक्षा के दौरान छात्रों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए साथ ही जिला एवं ब्लॉक स्तर पर शिक्षा अधिकारियों को भी केंद्रों का सतत निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के लंबे मामलों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए की जनसुनवाई के दौरान प्राप्त हुई सभी शिकायतों में सात दिवसों में प्रारंभिक जवाब दायर किया जाए। किसी भी सूरत में जनसुनवाई शिकायतों की अनदेखी को स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। उन्होनो कहा कि जनसुनवाई प्रशासन और जिले की जनता के बीच एक समन्वय का माध्यम है जिससे उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा सकता है। साथ ही, कलेक्टर ने संभागायुक्त द्वारा चिन्हित समय सीमा प्रकरणों के निराकरण के लिए साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित कर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री मीना ने जिला सूचना अधिकारी को निर्देश दिए की कलेक्टर कार्यालय सहित समस्त जिला कार्यालय में ई ऑफिस प्रणाली लागू किए जाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए, जिसमें समस्त जिला अधिकारियों को उक्त प्रणाली के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि ई- ऑफिस प्रणाली शासन की महत्वाकांक्षी एवं महत्वपूर्ण कार्ययोजना है, जिसका सभी जिला कार्यालय में क्रियान्वन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने आगामी रबी उपार्जन प्रक्रिया की समीक्षा कर समस्त एसडीएम को निर्देश दिए कि वेयरहाउसिंग कारपोरेशन के ऑफर लिंक खुलने के पश्चात समस्त उपार्जन केन्द्रों तथा गोदाम का प्रस्ताव तैयार कर प्रेषित करें तथा उनका सत्यापन भी सुनिश्चित किया जाए। सभी एसडीएम समिति प्रबंधकों एवं उपार्जन कार्य में संलग्न होने वाले सर्वे की बैठक कर उनका प्रशिक्षण करवाये। इसी के साथ सभी अनुभागी अधिकारी (राजस्व) सहकारिता विभाग अंतर्गत की जाने वाली वसूली प्रक्रिया को भी संपादित करवाया जाना सुनिश्चित करें। इसके लिए सहकारी बैंक प्रबंधकों को बकायेदारों की सूची संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों को उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया गया।

भारतीय रेड क्रॉस समिति, मध्य प्रदेश राज्य शाखा की वार्षिक साधारण सभा में नर्मदापुरम जिला शाखा सम्मानित

नर्मदापुरम (निप्र) भारतीय रेड क्रॉस समिति, मध्य प्रदेश राज्य शाखा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन राज्य भवन, भोपाल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समिति की विभिन्न जिला शाखाओं द्वारा किए गए समाजसेवी कार्यों की समीक्षा की गई एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली शाखाओं को सम्मानित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के राज्यपाल महामहिम मंगू भाई पटेल अध्यक्ष भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी मध्य प्रदेश रहे, जिन्होंने समिति के जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की और समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सदस्यों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर नर्मदापुरम जिला शाखा को उत्तम सामुदायिक सेवा पुरस्कारसे सम्मानित किया गया। यह सम्मान अध्यक्ष भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी मध्य प्रदेश राज्यपाल महामहिम मंगू भाई पटेल द्वारा प्रदान किया गया, जो नर्मदापुरम शाखा द्वारा स्वास्थ्य, आपदा राहत, रक्तदान, शिक्षा और अन्य मानवीय सेवाओं के क्षेत्र में किए गए अनुकरणीय कार्यों का प्रमाण है।

क्षेत्र के महान साहित्कारों की जयंती पर होंगे आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। क्षेत्र के महान साहित्यकारों की जयंती पर कार्यक्रम किए जाएंगे। यह निर्णय नर्मदांचल पत्रकार संघ की बैठक में लिए गए। 29 मार्च को भवानी प्रसाद मिश्र की जयंती एवं 4 अप्रैल को माखन लाल चतुर्वेदी की जयंती पर समारोह पूर्वक आयोजन होना तय किया गया। इसी के साथ ही संघ की कार्यकारिणी मनोनीत की गई। नर्मदांचल पत्रकार संघ की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा पत्रकार भवन में सोमवार को आयोजित बैठक में की गई। जिसमें संरक्षक शम्भू सोनकिया, प्रफुल्ल तिवारी, बलराम शर्मा, अध्यक्ष आशीष दीक्षित उपाध्यक्ष, राजेश तिवारी, मनोज सोनी, कमलेश चौधरी, विजय कुम्भारे, मुकेश भदौरिया, सचिव आत्माराम यादव, कोषाध्यक्ष विजय कुम्भारे, सहसचिव श्याम राय, संगठन सचिव विपिन महंत, सादिक अली, प्रवक्ता कमल चौहान, सह प्रवक्ता, हेमंत राजपूत, संयुक्त सचिव दयाराम पाल, विशेष आंमत्रित सदस्य किशोर करैया, सुरेंद्र राजपूत, कार्यकारिणी सदस्यों में श्रीमती नेहा थापक, श्रीमती हिना अली, सुश्री नेहा मालवीय,सुश्री खुशबू बुलचदानी, अंशुल पाण्डेय, मनीष दुबे, प्रदीप गुप्ता, तुकाराम यादव, नरेंद्र दीक्षित, प्रकाश शर्मा रुद्रप्रताप सिंह, मदन शर्मा, रुबेज पठान, संजय उपाध्याय, इन्द्र कुमार सोनी, सजेंद्र श्रीवास्तव, पंकज शुक्ला, अजय निगम, सौरभ तिवारी, सन्दीप ठाकुर, सतीश चौरसिया, नीरज श्रीवास्तव, तापस जोशी, विधि सलाहकार वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष तिवारी, अनूप सिंह तोमर के नाम की घोषणा की गई है।

नर्मदांचल पत्रकार संघ की नई कार्यकारिणी घोषित

विश्व श्रवण दिवस पर 69 मरीजों की हुई जांच एवं परीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रति वर्ष 03 मार्च को विश्व श्रवण दिवस मनाया जाता है। सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार ने बताया कि इस दिवस में लोगों को बेहरेपन की समस्या के बारे में जागरूक करना एवं सुनने की क्षमता बनाये रखने के लिए प्रेरित करना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मप्र भोपाल के 27 फरवरी को दिये गये निर्देशानुसार आज विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल, डीईआईसी नर्मदापुरम सहित जिले की अन्य सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सकों एवं आरबीएसके टीम द्वारा नवजात शिशु, आँगनवाडी एवं छात्रावासों के चिन्हित बच्चों एवं अन्य श्रवण बाधितों की जाँच एवं उपचार किया गया।

उद्योगपतियों और निवेशकों को कैम्पों के माध्यम से एमएसएमई नीति से अवगत कराएं : सीईओ श्री रावत

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला स्तर पर एमएसएमई उद्योगों के संवर्धन हेतु परामर्श/सुझाव, मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति/योजना के क्रियान्वयन और जिला स्तर पर उद्योगों के संचालन में आ रही कठिनाइयों के निराकरण तथा निवेश को सुगम बनाकर निवेशकों को मार्गदर्शन करने हेतु गठित जिला स्तरीय निवेश संवर्धन एवं समन्वय समिति, नर्मदापुरम और लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड की संयुक्त बैठक में सीईओ एस.एस. रावत ने उपस्थित उद्योगपतियों को नई एमएसएमई नीति, 2025 के मुख्य बिन्दुओं से अवगत कराया गया। बताया गया कि, पूर्व नीति में महिलाओं को अनुदान सहायता हेतु 100 प्रतिशत शेयरधारक होना आवश्यक था, किन्तु वर्तमान नीति में महिला शेयरधारक के 51 प्रतिशत शेयर होने पर उसे महिला इकाई मानते हुए महिलाओं के लिए अतिरिक्त अनुदान सहायता 48 प्रतिशत की गई है। मशीनरी स्थापना, स्थापना व्यय, अतिरिक्त ट्रांसफार्मर, विद्युत केबल, पेनल इत्यादि पर अनुदान सहायता मान्य की गई है, जबकि पूर्व में इन मदों पर व्यय अनुदान सहायता के लिए अमान्य थे। परिवहन शुल्क, जो पूर्व नीति में अनुदान सहायता के लिए अमान्य था, को वर्तमान नीति में अनुदान सहायता के लिए मान्य किया गया है। यह भी अवगत कराया कि, यदि किसी इकाई में सोलर प्लांट स्थापित किया जाता है, तो मशीन प्लांट निवेश में निवेश का 20 प्रतिशत मान्य किया जावेगा। वार्षिक विक्रय टर्न ओवर पर पाँच वर्ष के लिए उत्पादन संबंधित सहायता 01 प्रतिशत किये जाने, 05 करोड से अधिक मशीनरी में निवेश करने वाली खाद्य प्रसंस्करण इकाई को मण्डी टैक्स में 100 प्रतिशत की छूट, सेवा क्षेत्र में मोटर व्हीकल स्क्रैप केन्द्र की स्थापना के लिए सहायता हेतु 20 प्रतिशत अनुदान (अधिकतम 03 करोड रूपये), स्टॉम्प ड्यूटी एवं पंजीयन शुल्क की 100 प्रतिशत प्रतिपूर्ति (भू खण्ड के लिए अधिकतम 25 लाख रूपये) जैसी सुविधाओं के नई एमएसएमई नीति, 2025 में समावेशित होने संबंधी जानकारी उपस्थित उद्योगपतियों, अधिकारियों को दी गई।

खेल समाचार

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में भारत का पलड़ा है भारी, मिलेगा ये खास एडवांटेज

दुबई, (आरएनएस)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाना है. इस मैच को जीतने वाली टीम फाइनल की टिकट कटाएगी, तो वहीं हारने वाली टीम का सफर यहीं खत्म हो जाएगा. जबसे ये क्लीयर हुआ है कि पहला सेमीफाइनल भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होना है, तभी से हर तरफ इसी की चर्चा है. तो आइए नॉकआउट मैच से पहले आपको टीम इंडिया के पास मौजूद एक एडवांटेज के बारे में बताते हैं. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ऑस्ट्रेलिया टीम ने अब तक एक भी मैच दुबई के मैदान पर नहीं खेला है. बल्कि गौर करने वाली बात तो ये है कि ऑस्ट्रेलिया ने तो इस मैदान पर 2021 के

बाद से ही इस मैदान पर कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला. वहीं, पिछली बार कंगारू टीम ने 2019 में दुबई के मैदान पर आखिरी वनडे मैच खेला था. ऐसे में इन परिस्थितियों में स्टीव स्मिथ की टीम की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं।

जहां एक ओर ऑस्ट्रेलिया की टीम ने लंबे वक्त से दुबई की पिच पर कोई मैच नहीं खेला, वहीं यहां भारत लगातार क्रिकेट खेल रहा है. जी हां, हाइब्रिड मॉडल में खेली जा रही चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने अपने तीनों ही लीग मैच इसी मैदान पर खेले हैं, जिसका एडवांटेज भारत को मिल सकता है.चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत ने पाकिस्तान को हराकर 2017 चैंपियंस ट्रॉफी का बदला पूरा किया और अब बाकी ऑस्ट्रेलिया की है. दरअसल, भारत की मेजबानी में खेले गए वर्ल्ड कप 2023 में ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल मैच में भारत को हराकर 140 करोड़ भारतीयों का दिल तोड़ा था. ऐसे में अब भारतीय टीम जीत के साथ उस हार का बदला लेना चाहेगी।

विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले सेमीफाइनल में रच सकते हैं इतिहास

-राहुल द्रविड़-कुमार संगाकारा का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका

दुबई, (आरएनएस)।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मंगलवार (4 मार्च) को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। विराट कोहली के पास इस मुकाबले में खास रिकॉर्ड्स बनाने का मौका होगा। कोहली अगर इस मैच में एक कैच पकड़ लेते हैं तो भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में बतौर फील्डर सबसे ज्यादा कैच लेने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। कोहली के अब 548 इंटरनेशनल मैच की 657 पारियों में 334 कैच हो गए हैं। इस लिस्ट में वह राहुल द्रविड़ के साथ संयुक्त रूप से पहले नंबर पर है, जिन्होंने 509 मैच की 571 पारियों में 334 कैच लिए हैं। इसके अलावा अगर दो कैच पकड़ने हैं तो वनडे में बतौर फील्डर सबसे ज्यादा कैच के मामले में रिकी पोंटिंग (160 कैच) को पछाड़कर दूसरे नंबर पर आ जाएंगे। कोहली ने अभी तक इस फॉर्मेट में 159 कैच पकड़े है।

केकेआर ने लॉन्च की 3 स्टार वाली अपनी नई जर्सी, सोशल मीडिया पर दिखाई झलक

नईदिल्ली, (आरएनएस)। आईपीएल 2025 की तैयारियां जोरों-शोरों से चल रही हैं और एक के बाद एक फ्रेंचाइजी अपनी नई जर्सी लॉन्च कर रही हैं. इसी कड़ी में अब डिफेंडिंग चैंपियन रही कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी अपनी नई जर्सी लॉन्च कर दी है, जिसमें अब 2 नहीं बल्कि 3 स्टार दिख रहे हैं. फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए इस बात की आधिकारिक घोषणा की है।

आईपीएल 2025 की विजेता रही कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपनी नई जर्सी लॉन्च कर दी है. इसके लिए फ्रेंचाइजी ने सोशल मीडिया का सहारा लिया और एक वीडियो के जरिए जर्सी जारी की. केकेआर की इस जर्सी में अब 2 नहीं बल्कि 3 स्टार्स हैं, क्योंकि फ्रेंचाइजी के पास अब 3 ट्रॉफीज हैं. करबो-लरबो जीतबो रे के स्लोगन के साथ वीडियो सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने अब तक आईपीएल इतिहास में कुल 3 ट्रॉफी जीती हैं. पहली ट्रॉफी 2012 और दूसरी 2014 में जीती थी, जब टीम की कमान गौतम गंभीर के हाथों में थी. वहीं, फ्रेंचाइजी ने अपनी तीसरी ट्रॉफी आईपीएल 2024 में जीती, जब गौतम गंभीर टीम के मेंटॉर थे और कमान श्रेयस अय्यर संभाल रहे थे. केकेआर ने फाइनल मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को एकतरफा अंदाज में हराकर ट्रॉफी उठाई थी।

22 मार्च से आईपीएल 2025 की शुरुआत होने वाली है, लेकिन अभी तक कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने कप्तान की घोषणा नहीं की है. जी हां, श्रेयस अय्यर ने टीम को ट्रॉफी जिताने के बाद मेगा ऑक्शन में जाने का फैसला किया, जहां पंजाब किंग्स ने उन्हें खरीद लिया।

इसके बाद से अब तक सस्पेंस बना हुआ है कि केकेआर की कमान अब कौन संभालेगा. रिपोर्ट्स की मानें, तो अजिंक्य रहाणे टीम की कमान संभाल सकते हैं. मगर, अब तक इस मामले पर कोई आधिकारिक अपडेट नहीं आई है।

चैंपियंस ट्रॉफीः न्यूजीलैंड पर जीत के बाद विराट कोहली को मिला फील्डर ऑफ द मैच मेडल

दुबई, (आरएनएस)। भारत के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के अंतिम ग्रुप मैच में शानदार फील्डिंग के लिए फील्डर ऑफ द मैच मेडल से सम्मानित किया गया। इस मैच में वरुण चक्रवर्ती ने पांच विकेट लेकर भारत को 44 रन से जीत दिलाई, जिससे टीम ग्रुप ए में शीर्ष स्थान पर रही। अब भारत मंगलवार को दुबई में पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा, जबकि न्यूजीलैंड बुधवार को लाहौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेगा।मैच के बाद भारतीय फील्डिंग कोच टी दिलीप ने ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों की प्रशंसा की और सर्वश्रेष्ठ फील्डिंग के दावेदारों की घोषणा की। इसके बाद ट्रेनिंग असिस्टेंट उडेनाका नुवान सेनेविरत्ने ने यह मेडल कोहली को सौंपा, जो अपने करियर के 300वें वनडे में खेल रहे थे। टी दिलीप ने बीसीसीआई द्वारा उसकी वेबसाइट पर पोस्ट एक वीडियो में कहा, हम हमेशा बेहतरीन फील्डिंग टीम बनने की बात करते हैं। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण यह है कि खिलाड़ी कितने सक्रिय हैं। अलग-अलग मौकों पर हमने शानदार फील्डिंग की। जब मिचेल बल्लेबाजी के लिए आए, तो हमने उन्हें स्ट्राइक रोटेट नहीं करने दी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के लिए अपनी प्लेइंग 11 में कोई बदलाव न करे टीम इंडिया : शास्त्री

दुबई, (आरएनएस)। भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री का मानना है कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम को चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में बिना किसी बदलाव के विजयी टीम के साथ उतरना चाहिए। उन्होंने इसका कारण यह बताया कि टीम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ 44 रन की जीत के दौरान दुबई की परिस्थितियों का अच्छा अनुभव लिया है।

भारत ने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप ए के आखिरी मैच में न्यूजीलैंड को 44 रन से हराकर मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में जगह बनाई है। यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। खास बात यह है कि 2023 वनडे विश्व कप फाइनल के बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 50 ओवर के किसी भी

आईसीसी नॉकआउट मुकाबले में यह पहली भिड़ंत हो रही है। उस मैच में भारत को अहमदाबाद में हार का सामना करना पड़ा था।

शास्त्री ने आईसीसी के इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, मुझे लगता है कि टीम में कोई बदलाव नहीं करना चाहिए क्योंकि अगले मैच के लिए केवल 48 घंटे का समय है। पिच पर खिलाड़ियों के दौड़ने से असर पड़ा है और वही पिच अगले मैच में इस्तेमाल होगी। ऐसे में स्पिनरों की भूमिका फिर से अहम रहेगी।

रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए मैच में भारत ने दुबई की धीमी पिच को देखते हुए चार स्पिनरों - रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती - को खिलाया था। इन चारों ने कुल मिलाकर 9 विकेट लिए, जिसमें चक्रवर्ती सबसे सफल रहे। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर 5 विकेट लिए, जो इस टूर्नामेंट में अब तक का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। शास्त्री ने सही समय पर चक्रवर्ती को मौका देने के लिए टीम मैनेजमेंट की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, अगर आप उनकी मौजूदा फॉर्म देखें, तो यह शानदार है। मैं हमेशा मानता हूं कि वर्तमान फॉर्म सबसे महत्वपूर्ण होती है।

भारत ने परिस्थितियों के हिसाब से ढलते हुए शानदार प्रदर्शन किया : मैट हेनरी

दुबई, (आरएनएस)। भारत से 44 रन की हार के बाद, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी ने कहा कि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने हालात को अच्छी तरह समझकर शानदार खेल दिखाया। उन्होंने पहले ग्रुप ए के मैचों में दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच से जो अनुभव लिया था, उसका पूरा फायदा उठाया। धीमी पिच पर भारत ने 50 ओवर में 249/9 का स्कोर बनाया, जिसमें श्रेयस अय्यर ने 79 रन और हार्दिक पांड्या ने आखिर में 45 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। जवाब में, वरुण चक्रवर्ती ने अपने सिर्फ दूसरे वनडे मैच में 42 रन देकर 5 विकेट झटके, जिससे न्यूजीलैंड की टीम 45.3 ओवर में 205 रन पर सिमट गई। अब न्यूजीलैंड बुधवार को लाहौर में होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में ग्रुप बी की टॉप टीम दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। हेनरी ने माना कि भारत ने चार मुख्य स्पिनर्स के साथ खेलकर हालात का पूरा फायदा उठाया। उन्होंने कहा, भारत के पास हालात को अच्छी तरह समझने का अनुभव था, और उन्होंने उसी हिसाब से खेला। हमें पता था कि वे चार फ्रंटलाइन स्पिनर्स के साथ उतरेंगे, और उन्होंने वाकई शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने परिस्थितियों को अच्छी तरह पढ़ा और उसी के अनुसार गेंदबाजी की। हेनरी ने चक्रवर्ती की तारीफ करते हुए कहा, उन्होंने कमाल की गेंदबाजी की। उन्होंने अपनी स्किल दिखाई, गेंद को दोनों ओर घुमाया, और तेज गेंदें भी डालीं। वह शानदार थे, और उनकी वजह से हम पूरे मैच में दबाव में रहे। भारत के खिलाफ 5 विकेट लेने वाले हेनरी ने कहा कि उनकी टीम सेमीफाइनल में हार की निराशा के साथ नहीं उतरेगी। उन्होंने कहा, हम पूरे टूर्नामेंट में अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। इस मैच से हमने कुछ सीखा है, और जब हम पाकिस्तान में खेलेंगे तो वहां के हालात को समझकर खेलना जरूरी होगा।उन्होंने आगे कहा, हमने वहां त्रिकोणीय सीरीज में कुछ मैच खेले हैं, इसलिए हम सेमीफाइनल के लिए तैयार रहेंगे। जब टूर्नामेंट के इस मुकाम पर पहुंचते हैं तो हर टीम मजबूत होती है।

ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंट में रिकार्ड अच्छा, हमें गलतियों से बचना होगा : रोहित

दुबई (ए)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से पहले कहा कि हमें जीत के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा और पुरानी गलतियों से बचना होगा। रोहित के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम का रिकार्ड आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा रहा है। इसलिए हमें काफी ध्यान से खेलते हुए मैच पर अपना नियंत्रण बनाये रखना होगा। रोहित ने कहा कि हमें बेहतर प्रदर्शन के लिए मैच पर नियंत्रण बनाये रखना होगा। भारतीय टीम ने ग्रुप चरण के अंतिम मैच में न्यूजीलैंड को 44 रन से हराकर ग्रुप ए में नंबर एक स्थान हासिल किया है। अब सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना ग्रुप बी की दूसरे स्थान की टीम ऑस्ट्रेलिया से होगा। ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद आईसीसी वनडे विश्व कप के रोहित ने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया का अच्छा खेलने का इतिहास रहा है, उसके खिलाफ हमें एकदिवसीय विश्वप में हार का सामना करना पड़ा था। इसलिए हमें मैच के दिन अपने नियंत्रण वाली चीजें सही करनी होंगी। हमें इस पर ध्यान केंद्रित करना होगा कि उस दिन हमें क्या करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कम मैचों वाले टूर्नामेंट में लय बनाए रखना सबसे अहम होता है। हमारी कोशिश हर मैच जीतने की रहेगी। गलतियां होती हैं पर उसे सुधारना सबसे जरुरी है। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले को लेकर कहा कि श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल बीच चौथे विकेट के लिए हुई 98 रन की साझेदारी अहम रही।

आईपीएल 2025 में एक बार फिर पंजाब किंग्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन को तैयार हैं शशांक

नई दिल्ली (ए)। आईपीस में पिछली बार अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाल पंजाब किंग्स के आक्रामक बल्लेबाज शशांक सिंह का लक्ष्य इस बार भी टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना है। शशांक ने पिछले सत्र में अपनी मैच विजेता पारियों से का ध्यान खींचा था। शशांक पिछले साल दुनिया भर में गूगल पर 9वें सबसे अधिक खोजे जाने वाले एथलीट थे। तब उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ केवल 29 गेंदों में 61 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी थी। शशांक ने इस पर कहा, मुझे नहीं पता था कि गूगल दुनिया भर में खोजे जाने वाले लोगों की एक सूची जारी करता है। यह मेरे लिए एक बड़ी बात थी। इससे खुशी हुई थी कि देश और दुनिया भर के लोग मेरा नाम खोज रहे हैं और जान रहे हैं कि मैं क्या करता हूं पर इसका श्रेय मैं श्रेय पंजाब में बिताए अपने समय को देता हूं। उन्होंने कहा कि यह पंजाब किंग्स के कारण ही संभव हुआ है।

मौसम में आ रहा बदलाव सुबह सर्दी दोपहर में गर्मी

खान पान में की लापरवाही तो हो सकते हैं बीमार

नर्मदापुरम (निप्र)। क्षेत्र में मौसम में बार-बार बदलाव हो रहा है। बीते एक सप्ताह से सुबह शाम के समय गुलाबी ठंड का असर बना हुआ था। लेकिन गत दिवस सुबह के समय अचानक बादल छा गए। जिससे सर्दी होने लगी। सुबह से लेकर करीब 11 बजे तक ठंड का असर रहा। दोपहर में जब धूप निकलना शुरू हुआ तब सर्दी कम हुई। कभी ठंड कभी गर्मी होने से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है। मौसमी बीमारियां बढ़ने लगी हैं। जिसमें मुख्य रूप से सर्दी जुकाम के साथ मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या जिला अस्पताल सहित निजी क्लीनिकों में बढती जा रही है। डाक्टरों का कहना है कि अब गर्मी का मौसम शुरू हो रहा है।

जिसके चलते खान- पान में लापरवाही मंहगी पड़ सकती है। डा संजय पुरोहित का कहना है कि गर्मी के मौसम में बासा भोजन हानिकारक होता है। क्योंकि गर्मी के बजह से कुछ घंटे बाद ही वह बासा हो जाता है। उसके बाद उस भोजन को खाने पर बीमार हो सकते हैं। इसी प्रकार इस मौसम में पानी की कमी ना हो इसलिए ज्यादा से ज्यादा पानी पीते रहना चाहिए। यह आदत अभी से बना लेनी चाहिए। डा पुरोहित का कहना है कि गर्मी के मौसम में बच्चे और बुजुर्गों का विशेष ख्याल रखना चाएिह। उनके खान -पान में लापरवाही होने पर वे जल्दी बीमार हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी को अपनी सेहत पर ध्यान देना चाहिए। दोपहर में गर्मी का असर होने से अधिकतम तापमान 32.1 हो गया। वहीं न्यूनतम 17 डिग्री दर्ज हुआ है। इसी प्रकार पचमढ़ी में अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम 12.8 दर्ज हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार एक दो दिन में हल्की बारिश के आसार बन रहे हैं।

छात्रा पायल ने की भारत भ्रमण की यात्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय ज्ञानोदय आवासीय विद्यालय नर्मदापुरम की एक छात्रा कुमारी पायल जावलकर द्वारा मध्य प्रदेश शासन की अनुसूचित जाति जनजाति कार्य विभाग द्वारा प्रदेश में अब्बल नंबर पर कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणाम के आधार पर भारत भ्रमण योजना के अंतर्गत इस छात्रा को भेजा गया था। वह छात्रा आज भारत भ्रमण यात्रा पूर्ण विद्यालय में वापस आई। जिस पर प्राचार्य एचएजी दुबे एवं समस्त विद्यालय परिवार द्वारा उसे सम्मानित किया गया विभागीय संभागीय उपायुक्त जेपी यादव ?द्वारा भी शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

कमिश्नर एवं कलेक्टर कार्यालय में हुआ वंदे मातरम् का गायन

नर्मदापुरम (निप्र)। माह के प्रथम दिवस सभी शासकीय कार्यालय में वंदे मातरम का गायन किया जाता है । एक एवं दो मार्च को सार्वजनिक अवकाश होने के कारण 3 मार्च को कमिश्नर कार्यालय एवं कलेक्टर कार्यालय में सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा वंदे मातरम का गायन किया गया। नर्मदापुरम संभाग के कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी की उपस्थिति में कमिश्नर कार्यालय के सभा कक्ष में सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने वंदे मातरम का गायन किया। कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में भी सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों ने वंदे मातरम का गायन किया।

रेशम कृषि मेला का आयोजन आज

नर्मदापुरम (निप्र) । रेशम कृषि मेला 2025 का आयोजन 4 मार्च को प्रातः 11:00 से रेशम कार्यालय नर्मदापुरम के परिसर में आयोजित किया जाएगा। प्रातः 9:00 से प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन होंगे । रेशम कृषि मेला 2025 का आयोजन टसर बीज संगठन बिलासपुर छत्तीसगढ़ एवं केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर कर्नाटक द्वारा किया जा रहा है।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 4 मार्च को आयोजित होगी

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में आगामी माह में आयोजित होने वाले पर्वों एवं त्योहारों के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में 04 मार्च 2025 को दोपहर 04:00 बजे "रेवा सभा कक्ष, कलेक्टर कार्यालय, नर्मदापुरम" में किया जाएगा। अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा जिला स्तरीय शांति समिति के समस्त सदस्यों से अनुरोध किया गया है कि वे निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित होकर आवश्यक सुझाव एवं सहयोग प्रदान करें, जिससे आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराया जा सके।

नागरिकों को मिल रहा कम पानी, सड़कों पर बह रहा ज्यादा

नर्मदापुरम (निप्र)। गर्मी की शुरूआत होते ही पानी की किल्लत शुरू हो जाती है। अभी गर्मी आना बांकी है। लेकिन उससे पूर्व ही शहर के अनेक हिस्सों में पानी की कमी होने लगी है। पानी की कमी नहीं है लेकिन जल प्रदाय में जो लापरवाही हो रही है उसका नतीजा यह है कि कभी पाइप लीकेज हो रहे हैं। कभी पाइप लाइन फूट रही है। तो कभी जल प्रदाय करने वाले मनमानी कर रहे हैं। इस सीजन में जल प्रदाय करने वाले आपरेटरों के पंप से तबादला किए जाने चाहिए। एक आपरेटर को एक ही पंप पर कई वर्ष होने पर वह मनमानी करने लगते हैं। इसलिए उनके पंप बदले जाने चाहिए जिससे कि वह जल प्रदाय समय पर करते रहें। जिस मोहल्ले में उन्हें ज्यादा चलाना होता है वहां ज्यादा चलाते हैं किसी मोहल्ले की लाइन को जल्दी बंद कर देते हैं। इससे भी लोगों को पर्याप्त पानी नहीं मिलने से परेरशानी होती है।

फिकता वही पानी मिल जाए तो हो जाए पूर्ति

सदर बाजार कोठीबाजार क्षेत्र के नागरिकों ने बताया कि जब उनके मोहल्ले में जल प्रदाय होता है तो अनेक पाइप लाइन से पानी निकलता हुआ सड़कों पर बहता रहता है। इससे एक तो पाइप लाइन में प्रेशर कम हो जाता है दूसरा कम पानी पहुंचता हैं। ऐसा कई महिनों से हो रहा है। अब गर्मी की शुरूआत हो रही है तो लोगों को परेशानी हो रही है। सदर बाजार के लालू पटेल ने कहा कि नपा के द्वारा जो पाइप डाले गए हैं। उनके लीकेज को सही कर लिया जाए तो जितना पानी सड़कों पर फिकता है उससे पर्याप्त पूर्ति हो सकती है।

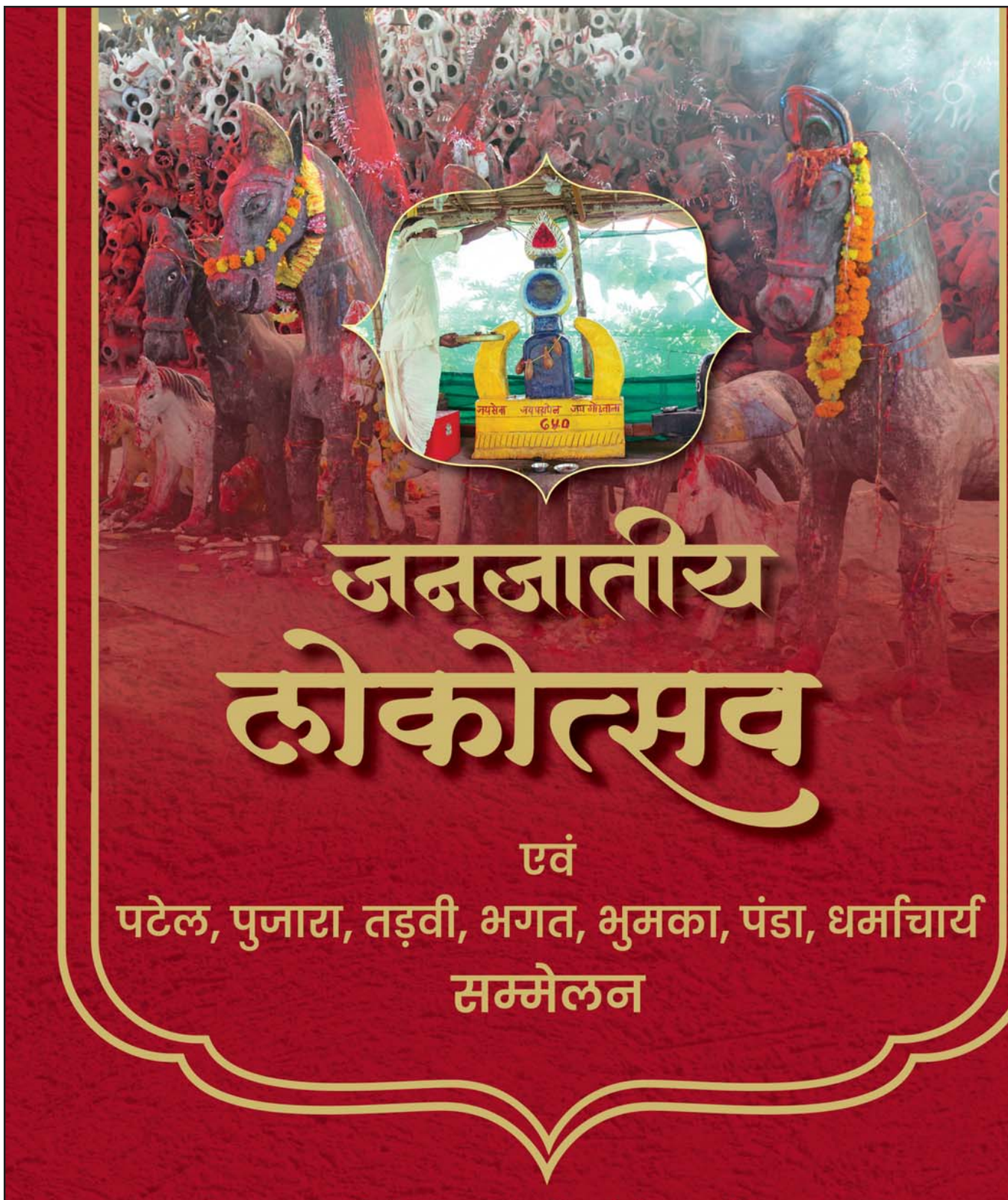

आईटीआई में आरक्षित 30% महिला सीट में शत प्रतिशत एडमिशन हो : कमिश्नर श्री कृष्ण गोपाल तिवारी

नर्मदापुरम (निप्र) ।आईटीआई महाविद्यालय में अगस्त माह में नवीन एडमिशन प्रारंभ हो जाएंगे। आईटीआई महाविद्यालय में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महिलाओं के लिए 30% सीट रिजर्व है लेकिन उस अनुपात में महिलाओं के एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं। गत वर्ष भी कई सिटे खाली रह गई थी। एडमिशन से पूर्व महाविद्यालय में शत प्रतिशत महिला सीट भरी जाने के लिए व्यापक स्तर पर महिलाओं को जागरूक किया जाए। नर्मदापुरम, सोहागपुर, पिपरिया सिवनी मालवा में विशेष तौर पर एडमिशन के लिए एक माहौल बनाया जाए। महिलाओं को आईटीआई में प्रवेश के लिए प्रेरित किया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग अपने स्तर पर महिलाओं को आईटीआई में प्रवेश के लिए जागरूक करें। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग के कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने सोमवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर को दिए। कमिश्नर श्री तिवारी ने आयुष्मान आरोग्य कार्ड के संबंध में समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की 70 प्लस वालों के कार्ड प्राथमिकता से बनाए जाये, इसके लिए ग्राम पंचायत एवं नगरी निकायों के पास भी 70 प्लस वालों की सूची है।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com